■ फाल्गुन शुक्ल - 11 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 234 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 20-03-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 केजरीवाल बहुत दिनों तक कानून के 'लंबे हाथों' से बच नहीं सकते : भाजपा

6 पाक के लिए भस्मासुर क्यों बन गया गुलाम तालिबान?

7 'वेदा' के टीजर में एक्शन अवतार में दिखाई दिए जॉन अब्राहम

फर्स्ट टेक

तमिलनाडु के लोग कर्नाटक में बम लगाते हैं : शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कर्नाटक में बिगड़ती कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर मंगलवार को कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि तमिलनाडु के लोग राज्य में आकर बम लगाते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के. स्टालिन ने केंद्रीय मंत्री की इस टिप्पणी की आलोचना की। बेंगलूरु में रविवार को 'अजान' के दौरान 'हनुमान चालीसा' बजाने पर एक व्यापारी को पीटने की घटना के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किये गये प्रदर्शन के दौरान शोभा ने कांग्रेस सरकार पर 'वोट बैंक की राजनीति' में शामिल होने और हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया। बेंगलूरु उत्तर से भाजपा उम्मीदवार ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' कर्नाटक में कानून-व्यवस्था बेहद खराब हो गई है। तमिलनाडु से आए लोग यहां बम लगाते हैं, दिल्ली से आए लोग 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाते हैं और केरल से आने वाले लोग तेजाब हमले करते हैं।''

हरियाणा मंत्रिमंडल का हुआ विस्तार, सात नए चेहरे

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मनोहर लाल की जगह पद संभालने के एक सप्ताह बाद मंगलवार को अपना पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया और पार्टी के आठ विधायकों को मंत्री बनाया, जिनमें सात नये चेहरे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री अनिल विज को सैनी के मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली, जबकि कहा गया था कि उनका नाम मंत्रियों की शुरुआती सूची में था। सैनी और पांच मंत्रियों ने पिछले सप्ताह शपथ ली थी। हरियाणा में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 14 मंत्री ही हो सकते हैं। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने यहां राजभवन में नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। समारोह में मुख्यमंत्री सैनी और मनोहर लाल मौजूद थे।

अमेरिका ने यूक्रेन को सहायता जारी रखेगा

रैमस्टीन एयर बेस (जर्मनी)/एपी। रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने मंगलवार को वादा किया कि अमेरिका, यूक्रेन को रूस के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए समर्थन देना जारी रखेगा भले ही अमेरिकी कांग्रेस युद्ध के लिए अतिरिक्त हथियार भेजने के लिए वित्तपोषण को लेकर ठप पड़ी हुई हो। जर्मनी के रैमस्टीन एयर बेस पर जुटे यूरोप और दुनिया भर के 50 से अधिक रक्षा मंत्रियों को संबोधित करते हुए ऑस्टिन ने कहा, ''अमेरिका, यूक्रेन को हारने नहीं होने देगा।'' उन्होंने कहा, ''यह गठबंधन यूक्रेन को हारने नहीं देगा और आजाद दुनिया यूक्रेन को झुकने नहीं देगी।''

20-03-2024 सूर्यास्त 6:12 बजे	21-03-2024 सूर्योदय 6:19 बजे
BSE 72,012.05 (-736.38)	NSE 21,817.45 (-238.25)
सोना 6,814 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 80,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासी सिकंदर

कमजोर न समझें आप किसे,
भय पैदा कर सकती बुलबुल।
गुल कौन खिला देगा कैसे,
या फिर कर देगा बत्ती गुल।
कुर्सी के खातिर हर दल की,
रहती धाराएं सब ढुलमुल।
अफसोस आज बस यही हमें,
जनमत की लेवी रही है तुल।।

केवल हिंदू धर्म को निशाना बनाता है विपक्ष : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विपक्षी गठबंधन 'इंडि' पर मोदी का हमला

सेलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'शक्ति' वाली टिप्पणी को लेकर 'इंडिया' गठबंधन पर हमला जारी रखते हुए मंगलवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन ने इसे नष्ट करने की घोषणा कर अपने 'बुरे इरादे' का प्रदर्शन किया है।

मोदी ने यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) बार-बार हिंदुत्व का अपमान करते हैं, लेकिन किसी अन्य धर्म को निशाना नहीं बनाते। कांग्रेस और द्रमुक विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के अहम घटक हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'इंडिया' गठबंधन के लोग जानबूझकर हिंदू आस्था का अपमान करते हैं और इसके खिलाफ उनके द्वारा हर बयान सोच-समझकर दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'इंडी' अलायंस वाले लोग बार-बार, जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। हिंदू धर्म के खिलाफ इनका हर बयान बहुत सोचा समझा हुआ होता है। आप देखिए, और किसी धर्म का अपमान द्रमुक और कांग्रेस का 'इंडी' अलायंस नहीं करता, किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता। लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते।

व्यापारी पर हुए हमले के खिलाफ भाजपा ने किया विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। नगरथपेट में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 'अजान' के दौरान अपनी दुकान में तेज आवाज में कथित तौर पर 'हनुमान चालीसा' बजाने को लेकर युवाओं के एक समूह द्वारा एक व्यापारी पर हमला किये जाने की घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। एक व्यापारी पर हमले की घटना के संबंध में दो और व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। इस मौके पर सांसद पीसी मोहन, तेजस्वी सूर्या, केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार और अनेक कार्यकर्ताओं को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में लिया। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से दो को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है, एक और व्यक्ति को अभी हिरासत में लिया जाना है।

भाजपा ने पीड़ित मुकेश की दुकान से शांतिपूर्ण मार्च निकालने का आह्वान किया था, जिसमें प्रतिभागियों ने 'हनुमान चालीसा' का पाठ किया। पुलिस के अनुसार, युवाओं के एक समूह ने 'अजान' के दौरान रविवार को जुमा मस्जिद रोड पर अपनी दुकान में तेज आवाज में मुकेश द्वारा 'हनुमान चालीसा' बजाने पर आपत्ति जताई और उसके साथ मारपीट की थी।

करीब 30 उम्मीदवारों के नाम पर कांग्रेस की सीईसी ने मुहर लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने मंगलवार को विभिन्न राज्यों के करीब 30 संसदीय क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई। पार्टी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जल्द जारी हो सकती है।

सूत्रों का कहना है कि इस बैठक में कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और चंडीगढ़ में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई तथा करीब 30 नामों को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने पश्चिम बंगाल के उत्तरी और मध्य हिस्से में आने वाली सीटों पर चर्चा की और विशेष रूप से वाम दलों के साथ गठबंधन की संभावना के मद्देनजर चर्चा की गई। पार्टी के एक नेता ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में हम इस पर विचार कर रहे हैं कि कौन सीट कांग्रेस के लिए बेहतर है और किन सीट पर वाम दल मजबूत हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता वाली सीईसी की बैठक में पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और सीईसी के कई अन्य सदस्य शामिल हुए। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी बैठक में मौजूद नहीं थे।

अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न एवं अभिभाज्य हिस्सा ''था, है और हमेशा रहेगा''

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा अरुणाचल प्रदेश के भूभाग पर बेतुके दावे को आगे बढ़ाते हुए की गई टिप्पणी पर गौर किया है और कहा कि राज्य भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा था, है और सदैव रहेगा।

विदेश मंत्रालय की ओर से यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आयी है, जब कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर चीन की आपत्ति को भारत के खारिज करने के बाद चीन की सेना ने राज्य पर अपने दावे को दोहराते हुए इसे चीन के क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा बताया था।

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के हवाले से कहा गया, हमने चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के भूभाग पर बेतुके दावों को आगे बढ़ाते हुए की गई टिप्पणी पर गौर किया है।

विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि यह अरुणाचल प्रदेश के संबंध में चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा की गई टिप्पणी पर मीडिया के सवालों के जवाब में है। उन्होंने कहा, इस संबंध में निराधार तर्क को दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। इसके लोग हमारे विकास कार्यक्रमों और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं से लाभान्वित होते रहेंगे।

2006 के फर्जी मुठभेड़ मामले में पूर्व पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा को आजीवन कारावास

मुंबई/भाषा। मुंबई के विवादास्पद 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट, पूर्व पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा को मंगलवार को एक बड़ा कानूनी झटका लगा। बंबई उच्च न्यायालय ने उन्हें 2006 में मुंबई में गैंगस्टर छोटा राजन के कथित करीबी सहयोगी रामनारायण गुप्ता की फर्जी मुठभेड़ के मामले में दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सजा सुना दी। उच्च न्यायालय का फैसला सत्र अदालत के पहले के फैसले के बिल्कुल उलट है, जिसने शर्मा को बरी कर दिया था। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की एक खंडपीठ ने शर्मा को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को गलत और नहीं टिकने लायक करार देते हुए रद्द कर दिया।

अदालत ने कहा, निचली अदालत ने शर्मा के खिलाफ उपलब्ध पर्याप्त सबूतों को नजरअंदाज कर दिया। सबूत मामले में उनकी संलिप्तता को स्पष्ट रूप से साबित करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने केरल के पालक्कड़ में विशाल रोड शो किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालक्कड़ (केरल)/भाषा। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) द्वारा केरल पर विशेष ध्यान दिए जाने के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य के अपने उम्मीदवारों के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए मंगलवार को यहां एक विशाल रोडशो किया। केरल में अभी तक भाजपा कोई खास चुनावी जीत हासिल नहीं कर पायी है।

फूलों से सजे, खुली छत वाले वाहन में खड़े मोदी ने कोट्टामैदान अंचुविलाक्कु से सुबह करीब 10 बजकर 45 मिनट पर रोड शो शुरू किया और उनका काफिला शहर में हेड पोस्ट ऑफिस की ओर बढ़ा। प्रधामनंत्री तमिलनाडु के कोयंबटूर से एक हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचे थे। खुली छत वाले वाहन में मोदी के साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन और राजग उम्मीदवार सी. कृष्णकुमार तथा निवेदिता सुब्रमण्यम भी मौजूद थे। कृष्णकुमार पालक्कड़ निर्वाचन क्षेत्र और निवेदिता पोन्नानी सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। गर्मी के बावजूद भाजपा समर्थकों समेत हजारों लोग फूल, माला, पार्टी के झंडे, मोदी के पोस्टर और पार्टी की टोपियां पहने एक किलोमीटर के रोड शो में मार्ग के दोनों ओर कतारबद्ध खड़े रहे।

रोड शो के इस मार्ग से गुजरने पर सड़क के दोनों ओर खड़े लोगों को 'मोदी, भारत माता की जय, मोदीजी स्वागतम' और 'मोदी की जय' के नारे लगाते हुए सुना गया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर पुष्प वर्षा भी की। इस दौरान मोदी भगवा रंग की टोपी पहने हुए दिखायी दिए।

भीड़ में मौजूद सभी आयु वर्ग के लोग प्रधानमंत्री के आगमन से कई घंटे पहले ही एकत्रित हो गए थे और उन्होंने रोड शो के मार्ग पर उत्सव जैसा माहौल बना दिया।

अपने परिवारों के साथ यहां आए कई लोगों ने टीवी चैनलों को बताया कि वे प्रधानमंत्री मोदी को देखे बगैर नहीं जाएंगे। करीब आधे घंटे चले रोडशो में एक किलोमीटर का सफर तय किया गया जिसके बाद प्रधानमंत्री तुरंत हेलीपेड लौट गए। पालक्कड़ में रोड शो से पहले मोदी ने 15 मार्च को पत्तनमथिट्टा शहर में एक जनसभा की थी जहां उन्होंने दक्षिण केरल के निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे राजग के उम्मीदवारों के लिए समर्थन जुटाया था। पत्तनमथिट्टा में लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव में ''केरल में कमल खिलेगा। उन्होंने सत्तारूढ़ वामपंथी दल और विपक्षी कांग्रेस नीत यूडीएफ पर भी निशाना साधा था।

पालक्कड़ में 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का मत प्रतिशत बढ़ा था। उस समय उसके उम्मीदवार कृष्णकुमार सी को इस सीट पर पड़े कुल मतों के 21.24 प्रतिशत मत मिले थे। यह तीन महीनों में मोदी का केरल का पांचवां दौरा है। वह जनवरी में दो बार, फरवरी में एक बार और फिर 15 मार्च को राज्य के दौरे पर आए थे।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने अमेरिका में रिश्वतखोरी जांच की बात मानी, पर तीसरे पक्ष से संबंध नकारा

नई दिल्ली/भाषा। अडाणी समूह की अधिकांश कंपनियों ने अमेरिका में रिश्वतखोरी के आरोप की जांच को लेकर नोटिस मिलने से इनकार किया है लेकिन समूह की ही नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी ने इस जांच से अवगत होने की बात कही है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि एक असंबद्ध तीसरे पक्ष द्वारा अमेरिकी भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के संभावित उल्लंघन की जांच से वह परिचित है। हालांकि, कंपनी ने कथित तीसरे पक्ष के साथ कोई संबंध होने से इनकार किया है।

देश के शेयर बाजारों ने अडाणी समूह की कंपनियों से उस मीडिया रिपोर्ट पर टिप्पणी करने को कहा था जिसमें अडाणी समूह की किसी इकाई के कथित तौर पर रिश्वतखोरी में शामिल होने की अमेरिका में जांच किए जाने की बात कही गई थी।

इस संदर्भ में समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों ने शेयर बाजारों को अलग-अलग जवाब भेजा है। उन्होंने इस रिपोर्ट को 'गलत' बताते हुए कहा है कि उन्हें रिश्वतखोरी के आरोप पर अमेरिकी न्याय विभाग का कोई नोटिस नहीं मिला है।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू

अमृतसर से लड़ सकते हैं चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत तरनजीत सिंह संधू मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। ऐसी संभावना है कि भाजपा उन्हें पंजाब के अमृतसर से लोकसभा चुनाव मैदान में उतार सकती है। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होते हुए संधू ने भारत-अमेरिका संबंधों की प्रगति के बारे में बात की और कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग जैसे कई क्षेत्रों में विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा को उनकी राजनीतिक पारी के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विकास उनके गृहनगर अमृतसर तक भी पहुंचना चाहिए।

भारतीय विदेश सेवा के पूर्व अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध साझेदारी में विकसित हुए हैं जो दोनों के लिए जीत की स्थिति है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसका लाभ रोजगार के अवसरों और विकास के मामले में अमृतसर जैसे भारत के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचना चाहिए। तावड़े ने कहा कि भाजपा में सफल राजनयिक पृष्ठभूमि वाले संधू जैसे व्यक्ति की मौजूदगी पार्टी को मजबूत करेगी।

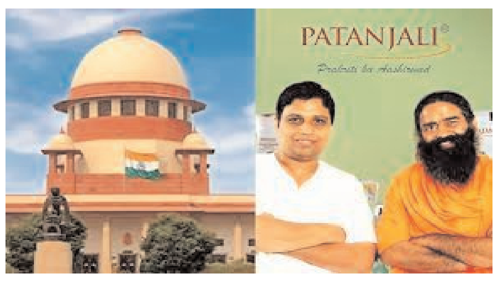

पतंजलि विज्ञापन मामला: न्यायालय ने रामदेव, बालकृष्ण से पेश होने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने पतंजलि आयुर्वेद के उत्पादों और उनके चिकित्सकीय प्रभावों के विज्ञापनों से संबंधित अवमानना कार्यवाही के मामले में मंगलवार को योग गुरु रामदेव और कंपनी के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से व्यक्तिगत रूप से अपने समक्ष पेश होने को कहा। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कंपनी और बालकृष्ण को पहले जारी किए गए अदालत के नोटिसों का जवाब दाखिल नहीं करने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्हें नोटिस जारी कर पूछा गया था कि अदालत को दिए गए वचन का प्रथम दृष्टया उल्लंघन करने के लिए उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए।

पीठ ने रामदेव को भी नोटिस जारी कर पूछा कि उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जाए। शीर्ष अदालत 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' (आईएमए) की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें रामदेव पर कोविड रोधी टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं के खिलाफ मुहिम चलाने का आरोप लगाया गया है। न्यायालय ने कहा कि उसे रामदेव को कारण बताओ नोटिस जारी करना उपयुक्त लगता है क्योंकि पतंजलि द्वारा जारी विज्ञापन 21 नवंबर, 2023 को अदालत में दिए गए हलफनामे का विषय हैं। इसने कहा कि ऐसा लगता है कि रामदेव द्वारा इनकी पुष्टि की गई। इसने निर्देश दिया कि रामदेव और बालकृष्ण अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश हों।

चुनाव जीतने के लिए भाजपा एक ठाकरे को 'चुराने' का प्रयास कर रही है : उद्धव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को भाजपा पर चुनाव जीतने के लिए एक ठाकरे को चुराने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उद्धव ठाकरे की यह टिप्पणी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच दिल्ली में हुई एक बैठक के मद्देनजर आयी है।

उद्धव ठाकरे ने नांदेड़ जिले में एक सभा को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उनके चचेरे भाई को अपने साथ ले लेती है, तो वह इससे परेशान नहीं हैं।

राज ठाकरे की दिल्ली में शाह से मुलाकात के बाद उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर निशाना साधा है। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब ऐसी चर्चा है कि भाजपा महाराष्ट्र में अपने गठबंधन को बढ़ाने के लिए लोकसभा चुनाव में उनके साथ गठबंधन करना चाहती है। उन्होंने कहा, भाजपा अच्छी तरह से जानती है कि उसे महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट नहीं मिलते हैं। लोग यहां (बाल) ठाकरे के नाम पर वोट करते हैं। इस अहसास ने भाजपा को बाहर (भाजपा) से नेताओं को चुराने की कोशिश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भाजपा पर बाल ठाकरे की विरासत को हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में नांदेड़ और हिंगोली जिलों के अपने दो दिवसीय दौरे के समापन पर कहा, पहले, उन्होंने बाल ठाकरे की तस्वीर चुरायी, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आज, वे एक और ठाकरे को चुराने की कोशिश कर रहे हैं...इसे ले लो, मैं और मेरे लोग काफी हैं।

तिरुवनंतपुरम में भाजपा की तरफ से खेल रही भाकपा : शशि थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह विडंबना है कि वायनाड में राहुल गांधी की उम्मीदवारी के बारे में शिकायत करने वाली वामपंथी पार्टी तिरुवनंतपुरम में भाजपा की तरफ से खेल रही है। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस उम्मीदवार थरूर ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में उनके खिलाफ भाकपा के अभियान का सिर्फ यही असर होगा कि भाजपा विरोधी वोट विभाजित होंगे।

थरूर इस सीट से वर्ष 2009 से सांसद हैं। इस बार उनका मुकाबला केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री तथा भाजपा के प्रत्याशी राजीव चंद्रशेखर से है। भाकपा ने तिरुवनंतपुरम लोकसभा सीट से पन्नियन रवींद्रन को मैदान में उतारा है। थरूर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यह विडंबना है कि वायनाड में राहुल गांधी की उम्मीदवारी के बारे में शिकायत करने वाली भाकपा तिरुवनंतपुरम में भाजपा की तरफ से खेल रही है। पिछले सप्ताह भाकपा महासचिव डी राजा ने कहा था कि राहुल गांधी को केरल के वायनाड से चुनावी मैदान में उतारना कांग्रेस का विशेषाधिकार है, लेकिन जनता की राय है उनके कद के नेता को ऐसी सीट से चुनाव लड़ना चाहिए था, जहां वह सीधे तौर पर भाजपा को चुनौती दे सकें।

हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया, आठ मंत्री शामिल किए गए

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा में नायब सिंह सैनी सरकार ने मंगलवार को आठ विधायकों को मंत्री बनाकर पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया। सैनी और पांच मंत्रियों ने पिछले सप्ताह शपथ ली थी। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने यहां राजभवन में नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। हिसार से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक कमल गुप्ता ने सबसे पहले कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। गुप्ता ने संस्कृत में शपथ ली। वह पूर्ववर्ती मनोहर लाल मंत्रिमंडल में भी मंत्री थे।

इसके बाद फरीदाबाद के बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा, पानीपत ग्रामीण से विधायक महिपाल ढांडा, अंबाला शहर से विधायक असीम गोयल, महेंद्रगढ़ के नांगल चौधरी से विधायक अभय सिंह यादव, कुरुक्षेत्र के थानेसर से विधायक सुभाष सुधा, भिवानी के बवानी खेड़ा से विधायक बिशंबर सिंह वाल्मीकि और गुरुग्राम के सोहना से विधायक संजय सिंह ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

सैनी के शपथ लेने पर वैसा ही महसूस हुआ जैसा परिवार के बड़े को होता है : खट्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मंगलवार को कहा कि जब नायब सिंह सैनी उनके उत्तराधिकारी बने, तो उन्हें शपथ लेते देखकर वैसी ही खुशी हुई जो परिवार के किसी भी बड़े बुजुर्ग को होती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पिछले सप्ताह राज्य में बदलाव करते हुए 69 वर्षीय खट्टर की जगह अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आने वाले 54 वर्षीय सैनी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बना दिया था।

खट्टर ने करनाल जिले के घरौंडा में एक रैली को संबोधित किया और हरियाणा में हुए बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा, मैं आज बहुत खुश हूं। मुझे वही खुशी महसूस हो रही है जो परिवार के एक बड़े को होती है...। इस कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष जे.पी.नड्डा को भी शामिल होना था, लेकिन एक पदाधिकारी ने कहा कि पार्टी की कुछ व्यस्तताओं के कारण वह नहीं आ सके। खट्टर ने कहा कि बदलाव जीवन का हिस्सा है, राजनीतिक क्षेत्र में भी परिवर्तन होते रहते हैं। हालांकि उन्होंने यह संकेत भी दिया कि नेतृत्व परिवर्तन का निर्णय अचानक नहीं लिया गया।

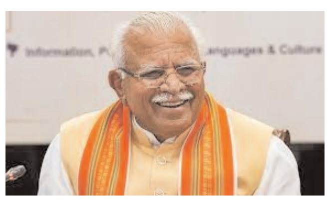

खट्टर ने कहा, ऐसा नहीं है कि यह अचानक हुआ। एक साल से मैं नेतृत्व से कह रहा था कि यह सही समय है... एक नया चेहरा लाओ। उन्होंने कहा कि वह इच्छा पिछले हफ्ते पूरी हुई और पार्टी विधायकों ने सर्वसम्मति से फैसला किया कि कुरुक्षेत्र के सांसद सैनी अगले मुख्यमंत्री होंगे।

उन्होंने कहा, भाजपा के अनुशासित सिपाही के रूप में हम कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। हमारी चिंता राज्य और देश को आगे ले जाने की है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता खट्टर ने कहा कि अन्य दलों में सत्ता के लिए खींचतान चलती रहती है और हरियाणा सहित कांग्रेस में गुटबाजी देखी जा रही है। हरियाणा में विपक्ष पर निशाना साधते हुए खट्टर ने कहा कि पहले जब वह 2014 में मुख्यमंत्री बने थे तो विपक्ष कहता था कि उनके पास अनुभव की कमी है और वह सरकार कैसे चलाएंगे। उन्होंने कहा, हमें उनके जैसे लूट में लिप्त होने का अनुभव नहीं था।

भारत की 8% की वृद्धि दर कायम रहेगी, और ऊपर भी जा सकती है : रिजर्व बैंक लेख

मुंबई/भाषा। भारत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को कायम रख सकता है या इससे भी आगे निकल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मंगलवार को जारी 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर मार्च के बुलेटिन में कहा गया है कि देश का अनुकूल वृद्धि आर्थिक माहौल वृद्धि दर को आगे बढ़ाने का आधार बन सकता है। देश की आर्थिक वृद्धि दर 2021-24 की अवधि में औसतन आठ प्रतिशत से अधिक रही है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबव्रत पात्रा की अगुवाई वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है, कुछ सबसे मजूबत अर्थव्यवस्थाओं और उच्च आवृत्ति संकेतकों में वृद्धि धीमी हो रही है। यह आने वाले समय में चीजों के और सुस्त पड़ने का इशारा कर रहे हैं। भारत की 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्चतम स्तर पर थी। मजबूत रफ्तार, बेहतर अप्रत्यक्ष कर संग्रह और सब्सिडी में कमी की वजह से यह वृद्धि हासिल हो सकी है।

जोमैटो ने शुरू किया 'शुद्ध शाकाहारी बेड़ा'

नई दिल्ली/भाषा। खान-पान के उत्पादों की आपूर्ति करने वाले ऑनलाइन मंच जोमैटो के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने पूर्ण रूप से शुद्ध शाकाहारी माध्यम (प्योर वेज मोड) से खाने की आपूर्ति सेवा शुरू करने की घोषणा की है। कंपनी ने यह सेवा पूर्ण रूप से शुद्ध शाकाहार अपनाने वाले ग्राहकों की पसंद को ध्यान में रखकर शुरू की है। उन्होंने नई सेवा को शुरू करने के लिए शाकाहारी ग्राहकों की प्रतिक्रिया का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मंच भारत में 100 प्रतिशत शाकाहारी आहार का उपयोग करने वाले ग्राहकों के लिए 'शुद्ध शाकाहारी बेड़ा' (प्योर वेज फ्लीट) भी शुरू कर रहा है।

गोयल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि दुनियाभर में सबसे ज्यादा शाकाहारी जनसंख्या भारत में है। उन्होंने कहा कि नई सेवाएं ऐसे ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं के आधार पर शुरू की हैं। जोमैटो के सीईओ ने कहा, दुनिया में सबसे ज्यादा शाकाहारी जनसंख्या प्रतिशत भारत में है और उनसे हमें सबसे महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया मिली है कि वे इसको लेकर बहुत गंभीर हैं कि उनका खाना कैसे पकाया जाता है, और उनके भोजन को कैसे लाया जाता है।

केरल में आरएसएस नेता की हत्या के मामले में एनआईए ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने केरल में 2022 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता श्रीनिवासन की हत्या के मुख्य आरोपी शफीक को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक, 16 अप्रैल, 2022 को पलक्कड़ में श्रीनिवासन की हत्या के बाद से शफीक फरार था, जिसे एनआईए की एक टीम ने राज्य के कोल्लम जिले से ढूंढ निकाला। एनआईए ने बयान में बताया कि मामले में आरोपी की संलिप्तता के लिए सोमवार को आतंकवाद निरोधक एजेंसी ने उसे हिरासत में लिया। बयान के मुताबिक, शफीक प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का एक प्रमुख सदस्य था, जो पिछले काफी समय से फरार था। हत्या की साजिश रचने के हिस्से के रूप में कुल 71 लोगों की पहचान की गई है और एनआईए पहले ही दो आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। एनआईए ने पिछले साल 17 मार्च और छह नवंबर को आरोपपत्र दाखिल किया था।

महादेव सट्टेबाजी मामले में बघेल के खिलाफ प्राथमिकी भाजपा का षड़यंत्र : बैज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने महादेव ऐप मामले में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का षड़यंत्र कहा है।

बैज ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान चुनावी बॉण्ड को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि यह देश का अब तक का सबसे बड़ा चुनावी चंदा घोटाला है।

महादेव ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के खिलाफ राज्य की आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने को बैज ने भाजपा का षडयंत्र बताया और कहा कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भी ईडी के माध्यम से राज्य में तरह-तरह का दुष्प्रचार किया था।

बैज ने कहा, भूपेश बघेल जी के खिलाफ षड्यंत्र पूर्वक प्राथमिकी दर्ज की गई। इससे साफ है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव में पूरी तरह से डर गई है और हार मान चुकी है। इसलिए इस तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, महादेव ऐप मामले में हमारी सरकार (पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार) में कई प्राथमिकी दर्ज हुईं। हमारी सरकार में कई गिरफ्तारी हुईं। हमारी सरकार ने केन्द्र सरकार को पत्र लिखकर कहा कि महादेव ऐप बंद किया जाए लेकिन बंद नहीं हुआ। इस महीने की शुरुआत में राज्य की आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा प्रस्तुत एक जांच रिपोर्ट के आधार पर महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में कांग्रेस नेता बघेल और 18 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने चुनावी बॉण्ड को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा, मोदी सरकार ने विपक्षी दलों के दमन के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया है। जहां चुनाव होते है वहां के विपक्षी दलों नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कराए जाते है। ईडी षडयंत्र रचती है। पूरे देश में यही स्थिति है। उन्होंने कहा, ईडी, सीबीआई, आईटी विभाग ने व्यापारिक घरानों और उद्योगपतियों के यहां छापा मारा। उसके बाद भाजपा को चंदा देने के लिए दबाव बनाया। हजारों करोड़ रुपए वसूला गए। सरकार प्रायोजित अवैध वसूली का इससे बड़ा उदाहरण पूरी दुनिया में नहीं मिलेगा। लोगों के जान माल को संरक्षण देने की कानूनी जिम्मेदारी सरकार पर होती है, लेकिन इसी सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से वसूली की।

चुनावी बॉण्ड पर राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग को दिए रोचक उत्तर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी बॉण्ड को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलो से विवरण भेजने का अनुरोध किया था जिस पर जो जवाब आए हैं, वे काफी रोचक हैं। एक दल ने बताया कि उनका अध्यक्ष ही हर तीन माह बाद स्वयं 500 रुपए पार्टी को दान कर देता था वहीं एक दल ने तो अपनी मान्यता रद्द करने का अनुरोध कर दिया।

निर्वाचन आयोग को दिए जवाब में कुछ दलों ने चुनावी बॉण्ड के माध्यम से कोई दान नहीं मिलने की बात कही जबकि अन्य ने मांगी गई जानकारी प्रदान करने में असमर्थता जाहिर की। महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी ने एक नई पार्टी के रूप में अपनी स्थिति का हवाला दिया और दावा किया कि उसे चुनावों में कोई वोट नहीं मिला है और इसलिए उसके पास देने के लिए कोई विवरण नहीं है। इसी प्रकार सर्वजन लोक शक्ति पार्टी ने एक हस्तलिखित जवाब प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि उसे अभी तक कोई दान नहीं मिला है। 'भारत का किसान मजदूर पार्टी' ने उसे पहचान नही मिल पाने पर निराशा व्यक्त की। पार्टी ने उद्योगपतियों या पूंजीपतियों से कोई समर्थन नहीं मिलने का दावा किया और कहा कि इसलिए उसे कोई चुनावी बॉण्ड नहीं मिला। तमिलनाडु की तमिलर देसिया मुन्नानी ने दी गई समय सीमा के भीतर चुनाव आयोग के नोटिस का जवाब देने में असमर्थता के लिए अपने नेतृत्व के खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया। इसमें यह भी उल्लेख किया गया कि उसे 30 सितंबर, 2023 तक चुनावी बॉण्ड के माध्यम से कोई दान नहीं मिला है। मक्कल नाला कषगम ने कहा कि उसके अध्यक्ष व्यक्तिगत रूप से हर तीन महीने में पार्टी के खाते में पैसा जमा करते हैं। पार्टी ने कहा, पार्टी अध्यक्ष एस सत्यमूर्ति संबंधित बैंक में पार्टी खाते में तीन महीने में एक बार 500 रुपए जमा करा रहे हैं।

विपक्षी गठबंधन इंडिया' पर मोदी का हमला

जो 'शक्ति' का विनाश चाहते हैं वे खुद नष्ट हो जाएंगे : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'शक्ति' वाली टिप्पणी को लेकर मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव (इंडि) अलायंस' पर एक बार फिर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) समेत उसके सहयोगी दल इसका (शक्ति का) 'विनाश' करना चाहते हैं लेकिन वे खुद ही 'बर्बाद' हो जाएंगे।

कांग्रेस और उसकी दक्षिणी सहयोगी, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक पर हमला बोलते हुए उन्होंने दोनों दलों को सिक्के के 'दो पहलू' करार दिया और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार तथा वंशवाद की राजनीति के आरोप लगाए।

राहुल गांधी के 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' वाले बयान पर सोमवार को विवाद खड़ा हो गया था और मोदी ने उस पर कड़ा जवाब देते हुए कहा था कि हर मां और बेटी उनके लिए शक्ति का रूप हैं और वह उनकी सुरक्षा के लिए अपना जीवन खपा देंगे। मोदी ने रविवार को मुंबई में विपक्षी गठबंधन 'इंडि' की रैली में की गयी राहुल गांधी की टिप्पणी को लेकर उन पर सोमवार को निशाना साधा जिसके बाद कांग्रेस नेता ने स्पष्टीकरण दिया कि वह किसी धार्मिक शक्ति की नहीं, बल्कि अधर्म, भ्रष्टाचार और झूठ की 'शक्ति' की बात कर रहे थे।

मोदी ने यहां की रैली में मंगलवार को 'इंडि' गठबंधन पर भी हमला करते हुए कहा, इंडी गठबंधन वाले बार-बार, जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करते हैं। हिंदू धर्म के खिलाफ इनका हर बयान बहुत सोचा समझा हुआ होता है। द्रमुक और कांग्रेस का इंडी गठबंधन और किसी धर्म का अपमान नहीं करता। किसी और धर्म के खिलाफ इनकी जुबान से एक शब्द नहीं निकलता। लेकिन हिंदू धर्म को गाली देने में ये एक सेकंड नहीं लगाते।''

उन्होंने कहा, ''अभी तो चुनाव अभियान की शुरुआत हुई है। लेकिन इंडी गठबंधन की योजनाएं और उनके बदइरादे मुंबई में हुई उनकी पहली रैली में ही खुलकर सामने आ गए हैं। ये कह रहे हैं कि हिंदू धर्म की जिस शक्ति में आस्था होती है, उन्हें उस शक्ति का विनाश करना है। हिंदू धर्म में शक्ति किसे कहते हैं, ये तमिलनाडु का हर व्यक्ति जानता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि शक्ति का अर्थ मरियमन, मदुरै मीनाक्षीअम्मन और कांची कामाक्षीअम्मा जैसे राज्य के विभिन्न देवी-देवताओं से संबंधित है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कवि सुब्रमण्यम भारती ने भारत माता को 'शक्ति' के रूप में पूजा है। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु उन्हें सजा देगा, जो शक्ति का नाश करने की बात करते हैं। मैं शक्ति उपासक हूं।'' मोदी ने कहा, ''हमारे महाकाव्य इस बात का सबूत हैं कि जो लोग शक्ति का विनाश करना चाहते हैं, वे नष्ट हो जाते हैं।'' तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाले चुनावों की तारीख का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''मेरा तमिलनाडु भी 19 अप्रैल को यही करेगा।'' उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु उन्हें सजा देगा जो शक्ति का नाश करने की बात करते हैं। यह तमिलनाडु के करोड़ों लोगों की गारंटी है।''

प्रधानमंत्री ने उज्वला योजना सहित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की विभिन्न महिला केंद्रित योजनाओं को भी रेखांकित किया और कहा कि इन योजनाओं के केंद्र में नारी शक्ति है। द्रमुक के बारे में उन्होंने कहा कि यह सबको पता है कि जब दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता जीवित थीं तो पार्टी ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया था। उन्होंने कहा, यह द्रमुक का असली चेहरा है। वे महिला आरक्षण विधेयक का भी विरोध करते हैं। इस वजह से तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। द्रमुक के इस महिला विरोधी रवैये के खिलाफ 19 अप्रैल को वोट करें।

द्रमुक और उसकी सहयोगी कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि वे सिक्के के दो पहलू हैं जिन्हें बड़े भ्रष्टाचार, एक परिवार के शासन' के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि केंद्र में कांग्रेस के सत्ता से दूर होने के कारण देश संचार के 5जी स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा, 2जी घोटाला कर उन्होंने (द्रमुक ने) भारत और तमिलनाडु को बदनाम किया... केंद्र तमिलनाडु के विकास के लिए लाखों करोड़ रुपये भेज रहा है लेकिन यहां की सरकार उसे लूट रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवारवादी पार्टियों ने दिवंगत दिग्गज कांग्रेस नेता जी के मूपनार में प्रधानमंत्री बनने की क्षमता के बावजूद उन्हें नई ऊंचाइयों तक नहीं पहुंचने दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत के. कामराज को याद करते हुए मोदी ने कहा कि उनकी ईमानदारी और मध्याह्न भोजन जैसी क्रांतिकारी योजनाएं उनके लिए बड़ी प्रेरणा रही हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में भाजपा के लिए समर्थन बढ़ रहा है और सत्तारूढ़ द्रमुक की नींद उड़ रही है। अपने संबोधन के दौरान एक समय मोदी भावुक हो गए जब उन्होंने इसी जिले में 10 साल पहले मारे गए भाजपा के पदाधिकारी को याद करते हुए अपना भाषण रोक दिया। प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा की भी जमकर तारीफ की। इससे पहले 11 शक्ति अम्मा (महिलाओं) ने प्रधानमंत्री का विशेष स्वागत किया। वह खुली छत वाले वाहन से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। इस मौके पर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पनीरसेल्वम, पत्ताली मक्कल काची (पीएमके) संस्थापक एस रामदास और अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के टीटीवी दिनाकरण भी मौजूद थे।

दिवंगत भाजपा कार्यकर्ता को याद कर भावुक हुए प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को यहां उस वक्त भावुक हो गए जब उन्होंने 10 साल पहले जिले में मारे गए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता को याद किया। इस कुछ समय के लिए उन्होंने अपना भाषण रोक दिया। भाजपा द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने दिवंगत भाजपा नेता के एन लक्ष्मणन सहित जिले से जुड़ी तीन हस्तियों को याद किया। हालांकि, वह 'ऑडिटर' रमेश के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए, जिनकी हत्या कर दी गई थी। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने कुछ समय के लिए अपना भाषण रोक दिया। जब फिर से बोलना शुरू किया तो उन्होंने पार्टी के लिए रमेश के योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा, मैं ऑडिटर रमेश को नहीं भूल सकता। दुर्भाग्य से आज रमेश हमारे बीच नहीं हैं। रमेश ने पार्टी के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत की और वह एक अच्छे वक्ता थे। लेकिन उनकी हत्या कर दी गई। आज मैं उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पेशे से ऑडिटर वी रमेश का ताल्लुक सेलम से था और पार्टी की राज्य इकाई के महासचिव थे। जुलाई 2013 में उनकी उनके घर में हत्या कर दी गई थी।

मोदी ने दिवंगत लक्ष्मणन को भी श्रद्धांजलि अर्पित की और तमिलनाडु में पार्टी को बढ़ाने में उनके योगदान को याद किया।

रैली के लिए पांच स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी राज्यों का तूफानी दौरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार दोपहर पश्चिमी तमिलनाडु के सेलम में हुई रैली दौरान सेलम में 5,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई और रैली के लिए पांच स्तरीय सुरक्षा-व्यवस्था की गई है। केरल के पलक्कड़ में रोड शो में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी सेलम पहुंचे। पीएमके के संस्थापक नेता डॉ. एस रामदास सेलम में उनके कार्यक्रम में शामिल हुए।

भाजपा ने मंगलवार सुबह पीएमके के साथ चुनावी समझौता किया है। इसमें रामदास की पार्टी को तमिलनाडु से चुनाव लड़ने के लिए दस सीटें आवंटित की गईं। दिलचस्प बात यह है कि सेलम एआईएडीएमके महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) का गृह क्षेत्र है।

गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी और अन्नाद्रमुक 2019 के लोकसभा चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन सहयोगी थे। लेकिन अन्नाद्रमुक ने सितंबर 2023 में भाजपा से नाता तोड़ लिया।

अब यह देखना है कि क्या पीएम एआईएडीएमके के महासचिव पर उनके गृह क्षेत्र में निशाना साधेंगे। दोनों दलों के अलग होने के बाद से तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष ने एआईएडीएमके विरोधी रुख अपनाया है।

अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार उपराज्यपाल के रूप में कर्तव्यों का निर्वहन किया : सौंदरराजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश में अपने कर्तव्यों का निर्हवन किया है।

चेन्नई से यहां पहुंचीं सौंदरराजन ने संवाददाताओं से कहा कि वह केंद्र शासित प्रदेश में अपने कार्यकाल को कभी नहीं भूलेंगी और तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उप राज्यपाल के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हालांकि उन्हें केवल तीन महीने के लिए अतिरिक्त प्रभार के तहत उपराज्यपाल का पद संभालने के लिए कहा गया था, लेकिन वह तीन साल (फरवरी 2021 से मार्च 2024 तक) तक यहां पद पर रहीं।

सौंदरराजन ने कहा, यहां मेरे कार्यकाल के दौरान पुडुचेरी के लोगों ने जो प्यार और स्नेह दिखाया, उसके लिए मैं उनका आभारी हूं।''सौंदरराजन ने कहा कि उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में गरीबों, छात्रों और अन्य लोगों की भलाई के लिए कोई भी मौका नहीं छोड़ा। राजनिवास में उनसे मुलाकात करने वालों में मुख्यमंत्री एन रंगासामी, पुडुचेरी के गृह मंत्री ए नमस्सिवयम और मंत्री शामिल थे।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, तमिलिसाई को शाम को राजनिवास में सलामी गारद दी जाएगी, इसे बाद वह औपचारिक रूप से पुडुचेरी से विदा लेंगी।

सड़क दुर्घटना में तमिलनाडु के एक वाहन चालक की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/त्रिशूर। केरल के त्रिशूर जिले में मंगलवार को पट्टीक्कड़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई एक सड़क दुर्घटना में तमिलनाडु के 27 वर्षीय वाहन चालक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह सड़क हादसा देर रात करीब 2.30 बजे हुआ था। उस दौरान पीड़ित एक अन्य वाहन चालक की मदद से अपने वाहन की मरम्मत कर रहा था। दूसरा वाहन चालक उसकी मदद करने के लिए वहां रुका था।

पुलिस ने कहा कि जब पीड़ित अपने वाहन की मरम्मत कर रहा था तभी पीछे से आ रहे एक ट्रक ने सड़क के किनारे खड़े दोनों वाहनों को टक्कर मार दी, जिससे तमिलनाडु के व्यक्ति की मौत हो गई। पीची पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि दूसरे वाहन चालक को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने कहा, हमने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया है। हम घायल चालक का बयान दर्ज करेंगे। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और वे इरोड से आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अभिवादन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में भाजपा जनता पार्टी के नया युवा चेहरे बने अक्षत जैन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कोयम्बटूर आगमन पर उनका अभिवादन किया। इस अवसर पर बीजेपी प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष जीके नागराज, जिला बीजेपी अध्यक्ष रमेश कुमार और साउथ कोयंबतूर साउथ अध्यक्ष वसंत राजन और आर एस पुरम मंडल श्रीमती कविता भी उपस्थित थे।

चीनी वीजा 'घोटाला': अदालत ने ईडी के आरोप पत्र के बाद कार्ति चिदंबरम, अन्य को तलब किया

चेन्नई/नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मंगलवार को कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम और अन्य को समन जारी कर पांच अप्रैल को अपने समक्ष पेश होने का निर्देश दिया। विशेष न्यायाधीश एम. के. नागपाल ने ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र पर संज्ञान लेते हुए आरोपियों को तलब किया।

न्यायाधीश ने कार्ति चिदंबरम, उनके पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट एस भास्कर रमन को और कुछ कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित छह अन्य को पांच अप्रैल को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। आरोपियों में पदम दुगार, विकास मखारिया, मंसूर सिद्दीकी, दुगार हाउसिंग लिमिटेड, एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड भी शामिल हैं। ईडी ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में आरोपियों के खिलाफ धनशोधन का मामला दर्ज किया है। कथित घोटाले के समय कार्ति के पिता पी चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे। जांच एजेंसी ने कहा कि मामले में काले धन से सफेद में तब्दील धन की वास्तविक मात्रा अभी तक साबित नहीं हो पाई है और सीबीआई के मामले में उल्लिखित 50 लाख रुपये की रिश्वत के कथित भुगतान को वर्तमान मामले का आधार नहीं माना जा सकता। ईडी ने इसी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एक प्राथमिकी का अध्ययन करने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत अपनी तरफ से मामला दर्ज किया था।

भाजपा ने तमिलनाडु में पीएमके के साथ सीट-बंटवारे को लेकर किया समझौता

विल्लुपुरम। भाजपा ने तमिलनाडु में 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए राज्य में डॉ. एस रामदॉस के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) पार्टी के साथ सीट-बंटवारे को लेकर मंगलवार को समझौता किया। आगामी चुनाव में क्षेत्रीय पार्टी को दस सीटें आवंटित की गई हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पीएमके के संस्थापक रामदॉस के यहां थाइलापुरम स्थित आवास पर उनके साथ इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीएमके वन्नियार समुदाय के प्रभुत्व वाली पार्टी है और राज्य के कुछ उत्तरी जिलों में इसका महत्वपूर्ण प्रभाव है।

अन्नामलाई ने पीएमके से समझौते के बाद पार्टी अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य डॉ अंबुमणि रामदॉस के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने संवाददाताओं से कहा, समझौते के अनुसार पीएमके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व में राज्य की दस सीटों पर चुनाव लड़ेगी। दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि पीएमके पिछले 10 वर्षों से राजग के साथ है। इसने 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव भी भाजपा के नेतृत्व वाले के राजग के तहत लड़ा था। अन्नामलाई ने रामदॉस की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह समाज के लाभ के लिए 'क्रांतिकारी' विचारों पर काम करना चाहते थे, जो वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन भी दोनों दलों के शीर्ष नेताओं की बैठक के दौरान मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु पर बहुत कम ध्यान दिया : कांग्रेस

चेन्नई/नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमिलनाडु दौरे से पहले मंगलवार को दावा किया कि उन्होंने दक्षिण भारत के इस राज्य की ओर बहुत कम ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री मंगलवार को तमिलनाडु के सेलम जिले एवं केरल के पालक्कड़ के दौरे पर होंगे।

रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आज तमिलनाडु के सलेम और केरल के पालक्कड़ का दौरा कर रहे हैं। कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न हैं जिनका उन्हें अवश्य समाधान करना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री पिछले कुछ हफ्तों में तमिलनाडु का लगातार दौरा कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने इस राज्य पर बहुत कम ध्यान दिया है। उदाहरण के लिए, दिसंबर 2023 में चक्रवात संकट के दौरान उन्होंने राज्य में कदम नहीं रखा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने चक्रवात के बाद पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए मोदी सरकार से 37,907 करोड़ रुपये जारी करने का आग्रह कई बार किया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री की तमिलनाडु के लोगों की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करने की कोई योजना है?

लोकसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए आज से शुरु होगी नामांकन प्रक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। षआगामी लोकसभा आम चुनाव के लिए राजस्थान में पहले चरण में 19 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। नर्वाचन विभाग के अनुसार राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों के चुनाव के लिए पहले चरण में 19 अप्रैल को 12 सीटों पर मतदान कराया जायेगा। इनमें गंगानगर (अनुसूचित जाति), बीकानेर (अनुसूचित जाति) , चुरु, झुंझुनूं, सीकर , जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर (अनुसूचित जाति) करौली-धौलपुर (अनुसूचित जाति) दौसा (अनुसूचित जनजाति) एवं नागौर लोकसभा सीट शामिल हैं। इन लोकसभा क्षेत्रों के लिए 20 से 27 मार्च तक कार्य दिवसों में नामांकन प्रपत्र प्रस्तुत किये जा सकेंगे। नामांकन प्रपत्रों की जांच 28 मार्च को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 30 मार्च है। इन 12 लोकसभा क्षेत्रों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा एवं चार जून को मतगणना को होगी।

नामांकन प्रस्तुतीकरण, समीक्षा एवं नाम वापसी के दौरान संबंधित रिटर्निंग अधिकारी, कानून व्यवस्था प्रकोष्ठ तथा पुलिस विभाग द्वारा समुचित सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। नामांकन भरने की प्रक्रिया पूर्वाह्न ग्यारह बजे से शुरू होगी जो अपराह्न तीन बजे तक चलेगी। इसके बाद कक्ष में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश करने या दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नामांकन भरने पहुंचे अभ्यर्थी के साथ चार व्यक्ति सहित कुल पांच व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी (आरओ) के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। नामांकन भरने पहुंचे व्यक्ति के काफिले में केवल तीन वाहनों को ही आरओ कार्यालय के सौ मीटर के अंदर प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए कलेक्ट्रेट परिसर मे नामांकन प्राप्त करने वाले रिटर्निंग अधिकारी के निर्धारित कक्ष में प्रवेश के लिए मेन गेट एवं चैनल गेट तय किये गए हैं। जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए नामांकन प्रथम तल पर कमरा नंबर 103 प्रस्तुत किये जा सकेंगे। जिसके लिए प्रवेश के लिए मुख्य गेट नंबर दो एवं मुख्य पोर्च की सीढ़ियों से निर्धारित किया गया है। वहीं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए नामंकन भूतल पर कमरा नंबर छह में प्रस्तुत किये जा सकेंगे। जिसके लिए प्रवेश के लिए मैन गेट नबंर एक एवं चैनल गेट नंबर एक निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशियों से नियमों की पालना करते हुए

नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अभ्यर्थी तथा विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि विभिन्न गतिविधियों के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन ना हो।

राजनीतिक दल, प्रत्याशियों तथा उनके समर्थको द्वारा प्रकाशित कराए जाने वाले पम्पलेट, पोस्टर, विज्ञापन अथवा हैण्डबिल प्रकाशित या मुद्रित करवाते लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 127 क के विभिन्न प्रावधानों की पालना हो। पम्पलेट, बैनर तथा पोस्टर के मुख्य पृष्ठ पर मुद्रक एवं इसके प्रकाशक का नाम तथा पता अनिवार्य रूप से लिखवाना होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी निर्वाचन पम्पलेट या पोस्टर का मुद्रण तब तक नहीं करवा सकेगा जब तक कि प्रकाशक की पहचान की घोषणा उसके द्वारा हस्ताक्षरित तथा दो व्यक्ति जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते हो द्वारा सत्यापित न करवाया जाए। सत्यापन के पश्चात मुद्रक को इसकी दो प्रतिलिपि देनी होगी। दस्तावेज के प्रकाशित के पश्चात मुद्रक इसकी एक प्रति तथा घोषणा पत्र की प्रति जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रस्तुत करेगा। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 प्रभावी रहेगी। इस दौरान कोई व्यक्ति, राजनीति पार्टी, संस्था बिना वैध अनुमति के जुलूस, सभा, रैली एवं सार्वजनिक सभा नहीं कर सकेगा तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं कर सकेगा। प्रत्येक सभा, जुलूस एवं सार्वजनिक सभा की अनुमति आदर्श आचार संहिता एवं निर्वाचन आयोग भारत सरकार के निर्देशों की पालना के तहत होगी।

लोकसभा चुनाव के अभ्यर्थी चुनाव प्रचार पर भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 95 लाख रुपये तक राशि व्यय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्याशियों को चुनाव खर्च के लिए नामांकन करने से कम से कम एक दिन पूर्व पृथक से बैंक खाता खोल कर उसका ब्यौरा निर्वाचन विभाग को उपलब्ध करवाना होगा।

अभ्यर्थियों को समस्त खर्चे इसी बैंक खाते के माध्यम से करने होंगे। समस्त लेने देने की जानकारी निर्वाचन विभाग में देनी होगी। व्यय सीमा का उल्लंघन नहीं हो इसके लिए कड़ी निगरानी की व्यवस्था की गई है। लोकसभा चुनाव के तहत अभ्यर्थी या राजनीतिक दल किसी निजी सम्पत्ति पर अपने बैनर या झंडे लगवा कर चुनाव प्रचार-प्रसार करना चाहते हैं तो इसके लिए संबंधित मालिक से लिखित स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। उन्होंने बताया कि मालिक की लिखित स्वीकृति के बाद लगाए जाने वाले बैनर या झंडे के खर्चे सहित पूर्ण विवरण एवं लिखित सहमति की प्रति अभ्यर्थी द्वारा सम्बंधित रिटर्निंग अधिकारी को तीन दिन में प्रस्तुत करनी होगी।

मप्र के व्यक्ति ने कोटा से बेटी के अपहरण का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। मध्य प्रदेश के शिवपुरी की रहने वाली 21 वर्षीय एक युवती का कोटा से कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया। उसके पिता ने दावा किया है कि अपहरणकर्ताओं ने उनसे 30 लाख रुपये की फिरौती की मांग की है। कोटा पुलिस ने हालांकि अभी तक अपहरण की पुष्टि नहीं की है। युवती के पिता ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह अपनी बेटी को पिछले साल अगस्त में परीक्षा की कोचिंग के लिए कोटा ले गए थे और वह विज्ञान नगर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक छात्रावास में रह रही थी।

सर्किल इंस्पेक्टर सतीश चौधरी ने मंगलवार की सुबह पीटीआई-भाषा को बताया कि युवती के पिता ने 30 लाख रुपये की फिरौती मांगे जाने का दावा करते हुए कहा कि उनकी बेटी की कुछ तस्वीरें भी उन्हें मिलीं जिनमें उसके हाथ पैर बंधे हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोमवार रात अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सतीश चौधरी ने बताया कि पुलिस को प्रारंभिक जांच के दौरान उस संस्थान या छात्रावास में युवती के प्रवेश का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला, जिसका उल्लेख उसके पिता ने किया था।

उन्होंने कहा, 'अभी इसकी पुष्टि और सत्यापन होना बाकी है कि कोटा से युवती का अपहरण वास्तव में किया गया या नहीं।' उन्होंने कहा कि युवती के पिता की शिकायत के आधार पर जांच चल रही है।

पुलिस हेड कांस्टेबल ने कथित तौर पर आत्महत्या की

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में एक पुलिस हेड कांस्टेबल ने अपने सरकारी आवास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार राम केदार (45) गुलाबपुरा थाने में तैनात थे, बीती रात उन्होंने अपने सरकारी आवास में कथित तौर पर पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली, सुबह जब उन्होंने थानाधिकारी का फोन नहीं उठाया तो एक कांस्टेबल को उनके आवास पर भेजा गया, जिसके बाद घटना के बारे में पता चला। पुलिस के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया है।

मतदाताओं का लोकसभा में विधानसभा चुनावों से अलग होता है मिजाज

लोकसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में लोकसभा चुनावों में मतदाताओं का मिजाज विधानसभा चुनावों जैसा नहीं होगा। विधानसभा चुनावों के मुद्दे अलग थे। लोकसभा चुनावों के मसले अलग होंगे। यह दीगर बात है कि लोकसभा चुनावों में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अग्नि परीक्षा होगी। अगर इन चुनावों में भाजपा पूरी 25 सीटें जीती है तो शर्मा को सौ में से सौ नंबर मिलेंगे। इससे पहले 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को सौ में से सौ नंबर मिल चुके हैं। यानी कि उस समय लोकसभा चुनावों में भाजपा ने पूरी 25 सीटों पर जीत दर्ज कराई थी।

कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को उम्मीद है कि राजस्थान के मतदाताओं का मिजाज विधानसभा चुनावों की तरह होगा। उनका दावा है कि इस बार प्रदेश में लोकसभा चुनावों में कांग्रेस अपना खाता खोलेगी। कांग्रेस को जयपुर, झालावाड़-बारां, राजसमंद, जोधपुर, उदयपुर, भीलवाड़ा, दौसा, पाली, बीकानेर, चित्तौड़गढ़ और अजमेर में बढ़त मिलेगी। चूंकि विधानसभा चुनावों में इन जिलों में कांग्रेस को ज्यादा मत मिले थे। कांग्रेस अपने इस वोट बैंक को बरकरार रखेगी और लोकसभा चुनाव में कम से कम 11 सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। उनका दावा है कि इस बार भाजपा का आंकड़ा किसी भी सूरत में 14 से ज्यादा नहीं जाएगा। गत विधानसभा चुनावों में शेखावाटी क्षेत्र में कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन रहा था। झुंझुनूं जिले की 21 सीटों में से 14 पर जीत दर्ज कराई थी।

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का दावा है कि इस बार भी भाजपा पूरी 25 सीटों पर जीत दर्ज कराएगी। उनका मानना है कि राजस्थान के मतदाता विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में अलग-अलग ट्रेंड के साथ मतदान करते हैं। ऐसा पिछले दो लोकसभा चुनावों में स्पष्ट हो चुका है। वर्ष 2019 में राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थीं, लेकिन लोकसभा चुनाव में वह एक भी सीट नहीं जीत पाई। जोशी की मानें तो बेशक विधानसभा में अभी कांग्रेस की 69 सीटें हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव में मतदाताओं का पुराना ट्रेड ही देखने को मिलेगा। पिछले लोकसभा चुनाव से पहले 2018 में विधानसभा चुनावों में भाजपा 38.8 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन पांच महीने बाद ही 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को 58.44 प्रतिशत वोट मिले थे। यानी कि लगभग 20 फीसदी मतदाताओं का ट्रेंड बदल गया था। कांग्रेस के वोटों की बात करे तो उसे 2018 के विधानसभा के चुनाव में 39.8 फीसदी मत मिले थे, जो लोकसभा चुनाव 2019 में घटकर 34.4 प्रतिशत रह गया। गत नवम्बर में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 41.7 प्रतिशत वोट हासिल कर 115 सीटों पर जीत दर्ज कराई थी। कांग्रेस ने 39.53 फीसदी वोट लेकर 70 सीटें जीती थी।

राजस्थान में पूर्व कांग्रेस विधायक, आरएलपी नेता भाजपा में शामिल

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस के पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल और आरएलपी नेता विक्रम सिंह गुर्जर सोमवार को भाजपा में शामिल हो गये। पार्टी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार जालोर से कांग्रेस के पूर्व विधायक मेघवाल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के टिकट पर देवली-उनियारा से 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ने वाले विक्रम सिंह गुर्जर और अन्य नेताओं ने यहां प्रदेश भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

2023 के विधानसभा चुनाव से पहले आरएलपी में जाने से पहले गुर्जर कांग्रेस में थे। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने इन नेताओं को भाजपा का दुपट्टा पहनाकर उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई। चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 वर्षों के सुशासन में आम आदमी का जीवन सरल हुआ है।

श्रमिकों ने ली लोकसभा चुनाव में मतदान करने की शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव विधानसभा चुनावों में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रकाश राजपुरोहित के निर्देश पर जयपुर के महेन्द्रा सेज स्थित एक निजी संस्थान में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ।इस मौके पर जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि एक स्वस्थ एवं सफल लोकतंत्र के लिए प्रत्येक मतदाता सक्रिय भूमिका आवश्यक है। उन्होंने श्रमिकों से 19 अप्रैल एवं 26 अप्रैल को अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की।

कार्यक्रम में श्रमिकों को सी-विजिल, वीएचए, सक्षम एवं केवाईसी एप की जानकारी दी गई। साथ ही मतदान के जरिये लोकतंत्र के इस महोत्सव में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रमिकों मतदान की शपथ भी दिलाई गई।

पति ने पत्नी की हत्या करने के बाद खुदकुशी की

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार को एक व्यक्ति ने पत्नी की कथित तौर पर हत्या की और फिर जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के लोटवाड़ा गांव में जयप्रकाश गुर्जर ने घर में पत्नी अनिता देवी पर धारदार हथियार से वार किया और फरार हो गया, घटना की जानकारी उसके भाई ने पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और महिला का शव एक खाट पर मिला जबकि पति गायब था, बाद में उसका शव एक रेलवे पुल के पास मिला। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया युवक ने कोई जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या की है। थाना प्रभारी सोहन लाल ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया ।

शुभारंभ

जोधपुर में मंगलवार को लोकसभा क्षेत्र जोधपुर, पाली, बाड़मेर-जैसलमेर व जालोर-सिरोही की क्लस्टर कार्यकर्ताओं की बैठक का दीप प्रज्ञवलित कर शुभारंभ करते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे।

कोचिंग छात्रा के अपहरण की आशंका, बरामदगी पर 20 हजार का ईनाम

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में लापता एक कोचिंग छात्रा के बारे में सूचना देने पर पुलिस ने 20 हजार रुपए की ईनाम की घोषणा की है जिसके बंधक बनाये रखने की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पुलिस अधीक्षक (शहर) की ओर से मंगलवार को जारी की गयी इस सूचना में कहा गया है कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की बैराड़ तहसील के कालामल गांव निवासी काव्या धाकड़ पुत्री रघुवीर सिंह धाकड़ (21) के बारे में जो भी व्यक्ति सूचना देगा, उसे पुरस्कार स्वरूप ईनाम दिया जायेगा। घोषित इनाम की राशि 20 हजार रुपये तय की गयी है। काव्या धाकड़ की गुमशुदगी के बारे में मुकदमा सोमवार को कोटा के विज्ञान नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 364-ए के तहत दर्ज किया गया है। पुलिस ने गुमशुदा की इस सूचना के साथ सुश्री धाकड़ का फोटो भी जारी किया है।

सोशल मीडिया पर सोमवार से ही शहर में कोचिंग कर रही एक छात्रा का फोटो वायरल हो रहा है जिसमें उसके हाथ और कमर पर रस्सी बंधी हुई है। चेहरे और मुंह पर कुछ चोट के निशान भी हैं जिससे खून रिसता हुआ दिखाई दे रहा है। वायरल फोटो के साथ यह कहा गया है कि इस छात्रा का अपहरण कर लिया गया है और उसके एवज में एक बैंक खाते में 30 लाख रुपये डालने की मांग की गयी है। छात्रा के पिता शिवपुरी निवासी रघुवीर सिंह इस फोटो के वायरल होने के बाद ही सोमवार मध्य रात्रि बाद करीब एक बजे कोटा पहुंच गये।

आग्रह

कोटा में मंगलवार को लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ओम बिरला ने बूंदी जिले के डाबी मण्डल के धनेश्वर, राजपुरा और गणेशपुरा क्षेत्र में स्थानीय निवासियों से संवाद कर उनसे आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाने का आग्रह करते हुए।

निष्पक्ष चुनाव के लिए आचार संहिता की पालना सुनिशित हो : राजपुरोहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी लोकसभा चुनाव-2024 को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है और जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव से जुड़े सभी प्रकोष्ठ प्रभारियों को निर्देश दिए कि आचार संहिता की अक्षरश पालना कराते हुए निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जाए। जिला कलक्ट्रेट सभागार में लोकसभा चुनावों की तैयारियों के संबंध में बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला निवार्चन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने अधिकारियों को भयमुक्त और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव संपन्न करवाने के लिए तमाम जरूरी व्यवस्थाएं एवं इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय कम है, इसलिए निर्वाचन आयोग के निर्देश और आचार संहिता की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करते हुए सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण करें।

राजपुरोहित ने कहा कि जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए 44 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

उन्होंने कहा कि 18 अप्रैल को जयपुर के जामिया-तुल-हिदाया, राजस्थान कॉलेज एवं सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन कॉलेज से मतदान दल रवाना होंगे। उन्होंने अधिकारियों को मतदान केन्द्रों पर धूप से बचाव के लिए छाया, पेयजल और बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था सहित अन्य इंतजाम दुरुस्त रखने के लिए निर्देश दिए।

पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

तीन जिलों में वांछित 5000 रुपए के इनामी ठग को टोंक में पकड़ा

जयपुर/दक्षिण भारत । पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच की टीम ने सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर लोगों से ठगी करने के मामले में 8 साल से फरार वांछित इनामी आरोपी अरविंद कुमार सोनी पुत्र रामावतार निवासी सपोटरा जिला करौली हाल गणगौरी बाजार जयपुर को सोमवार रात टोंक जिले के बरौनी थाना इलाके से डिटेन कर लिया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि आरोपी अरविंद सोनी ठगी के मामले में बूंदी, भीलवाड़ा और टोंक जिले में लम्बे समय से वांछित है।

इसकी गिरफ्तारी के लिए बूंदी एसपी द्वारा 5000 रुपये का इनाम घोषित किया हुआ है।

एडीजी एमएन ने बताया कि डीआईजी क्राइम योगेश यादव के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश के सुपरविजन में गठित टीमों को वांछित इनामी बदमाशो, आपराधिक गिरोह के सक्रिय सदस्यों तस्करों आदि के बारे में जानकारी जुटाने अलग-अलग शहरों में भेजा गया है। इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में गठित टीम हेड कांस्टेबल रामनिवास, शंकर दयाल शर्मा, कमल सिंह, हेमंत शर्मा, भूपेंद्र शर्मा, देवेंद्र व चालक विश्राम को आरोपी अरविंद सोनी के संबंध में आसूचना प्राप्त हुई थी।

कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान का कोई फायदा नहीं : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि वे अंततः भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो जाएंगे। हाल में कांग्रेस के कई नेता दलबदल कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। शर्मा ने बराक घाटी के दो निर्वाचन क्षेत्रों-सिलचर और करीमगंज में भाजपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने के बाद संवाददाताओं से कहा, वे जीतें या हारें, यह अलग बात है सवाल यह है कि क्या उम्मीदवार कांग्रेस में रहेगा। उन्होंने कहा कि अब कोई भी कांग्रेस में नहीं रहना चाहता बल्कि वे भाजपा में शामिल होने को उत्सुक हैं।

शर्मा ने कहा कि इस बात का श्रेय प्रधानमंत्री को जाता है कि वे भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सूर्य हैं और हम सभी उनके चारों ओर चंद्रमा हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया, इसलिए, कांग्रेस को वोट देने का कोई मतलब नहीं है। इसके अलावा, एक उम्मीदवार को छोड़कर, मैं पार्टी से चुनाव लड़ रहे अन्य सभी को भाजपा में ला सकता हूं। इसके पहले कांग्रेस के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष राणा गोस्वामी सहित कई पार्टी नेता भाजपा में शामिल हो गए थे जबकि कांग्रेस विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ और बसंत दास ने पिछले महीने कहा था कि उन्होंने विकास कार्यों के लिए ''सरकार का समर्थन'' करने का फैसला किया है।

तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के 'मोदी की गारंटी' वाले नारे पर सवाल उठाए

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को सवाल उठाया कि क्या 'मोदी की गारंटी' वाले नारे का मतलब सत्तारूढ़ दल द्वारा संस्थानों पर कब्जा जमाना है और दावा किया कि प्रधानमंत्री ने अपने चुनावी वादे ''कभी भी'' पूरे नहीं किए। यहां एक संवाददाता सम्मेलन में तृणमूल की सागरिका घोष और बाबुल सुप्रियो ने अधिकारियों को हटाने के निर्वाचन आयोग के आदेश पर भी सवाल उठाए और कहा कि निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी दलों को समान अवसर मिले। घोष ने कहा, मोदी की गारंटी पूरी तरह खोखली है और इसमें कुछ भी वास्तविक नहीं है। उन्होंने कहा, मोदी प्रधानमंत्री नहीं, चुनाव मंत्री हैं। वह चुनाव के समय वादे तो करते हैं, लेकिन उन्हें कभी पूरा नहीं करते। मोदी की गारंटी क्या है? बंगाल में जिस तरह से अधिकारी बदले जा रहे हैं, संस्थाओं पर कब्जा जमाया जा रहा है, क्या यह मोदी की गारंटी है?''

सुप्रियो ने कहा, जिस तरह से चुनाव हो रहे हैं, पुलिस महानिदेशक का तबादला किया गया, ये क्या दर्शाता है? देखा गया है कि जब मतदान लंबे समय तक चलता है तो लोगों की दिलचस्पी कम हो जाती है और बाद के चरणों में कम मतदान होता है। अगर आप चुनाव कार्यक्रम पर गौर करेंगे तो पायेंगे यह कार्यक्रम भी इसी आधार पर तय किया गया है।

निर्वाचन आयोग ने संजय मुखर्जी को बंगाल का डीजीपी नियुक्त किया

कोलकाता/भाषा। निर्वाचन आयोग ने विवेक सहाय को पश्चिम बंगाल का पुलिस महानिदेशक नियुक्त किए जाने के 24 घंटे के भीतर उन्हें मंगलवार को पद से हटा दिया और राज्य सरकार को उनके स्थान पर संजय मुखर्जी को नियुक्त करने का निर्देश दिया। मुखर्जी भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) काडर में सहाय से 1 साल कनिष्ठ हैं। इस अप्रत्याशित कदम के बाद सहाय पश्चिम बंगाल में सबसे कम समय तक कार्यकाल में रहे डीजीपी बन गए। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी सहाय को वरिष्ठता क्रम के आधार पर नियुक्त किया गया था लेकिन वह लोस चुनाव खत्म होने से पहले 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, इसलिए निर्वाचन आयोग ने 1989 बैच के अधिकारी मुखर्जी को डीजीपी नियुक्त करने को कहा है। लोस चुनाव 4 जून को औपचारिक रूप से समाप्त होंगे। राज्य अग्निशमन व आपातकालीन सेवाओं के महानिदेशक अधिकारी मुखर्जी डीजीपी के पद के लिए निर्वाचन आयोग को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा भेजी गई तीन अधिकारियों की सूची में दूसरे स्थान पर थे।

केजरीवाल बहुत दिनों तक कानून के 'लंबे हाथों' से बच नहीं सकते : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कई समन की तामील नहीं करने पर मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि जब तक कथित आबकारी नीति घोटाले में उनकी संलिप्तता के सबूत हैं, तब तक वह कानून के 'लंबे हाथों' से बच नहीं सकते।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसी मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता का बचाव करने के लिए भी आम आदमी पार्टी (आप) की आलोचना की और कहा कि जांच एजेंसियों की कार्रवाई सबूतों पर आधारित है। पात्रा ने कहा, राजनीतिक दल जांच एजेंसियों का गठन नहीं करते हैं। भाजपा की यह प्रतिक्रिया आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा ईडी को भाजपा की राजनीतिक शाखा बताए जाने और इसके राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के खिलाफ जांच एजेंसी के आरोपों को खारिज किए जाने के एक दिन बाद आई है।

केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के एक मामले में सोमवार को ईडी के समन की अनदेखी की थी। आप ने ईडी के समन को 'अवैध' करार दिया और आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार केजरीवाल को निशाना बनाने और लोकसभा चुनाव में उनको प्रचार करने से रोकने के लिए जांच एजेंसी का 'इस्तेमाल' कर रही है।

आप के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पात्रा ने कहा, केजरीवाल को पिछले छह महीने में नौ समन जारी किए गए और उन्होंने कोई न कोई बहाना बनाकर उन सभी की अनदेखी की। लेकिन ये बहाने काम नहीं आने वाले हैं। उन्होंने कहा, आप कानून के लंबे हाथों से कितनी दूर भागेंगे। सबूत होने पर यह अंततः आपको पकड़ लेगा। तूफान आ रहा है और यह निश्चित रूप से तब आएगा जब आपने भ्रष्टाचार किया है। पात्रा ने आरोप लगाया कहा, केजरीवाल ने करोड़ों लोगों के भरोसे, सच्चाई और विकास की हत्या की है। इसके सबूत हर जगह उपलब्ध हैं। इसलिए ईडी (उन्हें) समन जारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि लोग उन्हें मुंहतोड़ जवाब देंगे।

दिल्ली की एक अदालत ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले ईडी की ओर से दायर दो शिकायतों पर केजरीवाल को शनिवार को जमानत दे दी।

पारस और कुशवाहा के लिए राजग को छोड़ना आत्मघाती होगा : भाजपा

पटना/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अपने असंतुष्ट सहयोगियों पशुपति कुमार पारस और उपेन्द्र कुशवाहा के बारे में मंगलवार को कहा कि उनका विपक्षी महागठबंधन के साथ जाना ''आत्मघाती'' होगा। पारस के केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा देने और बिहार के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सीट बंटवारे की घोषणा के समय कुशवाहा या उनकी पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के किसी सदस्य के मौजूद नहीं रहने पर प्रतिक्रिया देते हुए सिन्हा ने यह टिप्पणी की।

जनवरी में जदयू के प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राजग में वापसी के बाद उपमुख्यमंत्री बने सिन्हा ने कहा, केवल भाजपा ही अपने सहयोगियों का सम्मान करना जानती है। यहां तक कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी इसका एहसास हो गया है। भाजपा नेता ने कहा, लेकिन, हमें हर सहयोगी को उसका हक देना चाहिए। जिसे (चिराग को) उनके पिता (रामविलास पासवान) की मृत्यु के बाद भी कुछ नहीं मिला, उसे भी कुछ मिलना चाहिए।

हमें निर्वाचन आयोग पर तो भरोसा है लेकिन भाजपा पर नहीं : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि उन्हें निर्वाचन आयोग पर तो भरोसा है लेकिन भाजपा पर नहीं। उन्होंने भाजपा की 'मोदी की गारंटी' को 'घंटी' करार देते हुए कहा कि प्रदेश में नौकरी के लिए आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों को घर जाकर संकल्प लेना चाहिए कि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ वोट करके इन गारंटी वालों की 'घंटी' बजानी है।

यादव ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में निर्वाचन आयोग पर मतदाता सूचियों से सपा समर्थक मतदाताओं के नाम गलत तरीके से 'हटाने' संबंधी शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। इसी दौरान पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा, हमें निर्वाचन आयोग पर तो भरोसा है लेकिन भाजपा पर नहीं है। आप बात समझिए... भाजपा संस्थाओं को कमजोर करती है। वह संस्थाओं का इस्तेमाल कर रही है। संस्थाओं के माध्यम से जो अन्याय हो सकता है वह कर रही है। उन्होंने कहा, किसी भी सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि कोई संस्था कमजोर ना हो। संस्थाएं जितनी मजबूत होंगी उतना ही हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा लेकिन भाजपा लोकतंत्र के बहाने संस्थाओं को कमजोर कर रही है। अगर संस्थाएं कमजोर होंगी तो लोकतंत्र कमजोर हो जाएगा। मोदी की गारंटी के भाजपा के नारे के बारे में पूछे जाने पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जिस भाजपा ने किसी भी चीज की गारंटी नहीं दी वह अब गारंटी का प्रचार कर रही है। वह गारंटी नहीं, असल में घंटी है। पहले जुमला था अब गारंटी है। ना जुमले में काम पूरे हुए ना गारंटी में काम पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार भर्तियों को निरस्त कर रही है, प्रदेश के 60 लाख नौजवानों का भविष्य अंधकार में है और अगर वे और उनके परिवार वाले भाजपा के खिलाफ हो गए तो पार्टी का उत्तर प्रदेश से सफाया हो जाएगा, उत्तर प्रदेश से हटने का मतलब देश से हटना हुआ।

पशुपति पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा, भाजपा पर नाइंसाफी का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और आरोप लगाया कि भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीट बंटवारे की बातचीत में शामिल नहीं करके उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के साथ नाइंसाफी कर रही है।

पारस ने संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इससे एक दिन पहले ही भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य में अपने सीट-बंटवारा समझौते की घोषणा की थी और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) को पांच सीट देने का ऐलान किया था। पारस ने संवाददाता सम्मेलन में अपने इस्तीफे के बारे में संक्षिप्त बयान दिया, लेकिन भविष्य की योजनाओं के बारे में कुछ नहीं बताया। प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल भाजपा के किसी सहयोगी दल के एकमात्र नेता पारस ने सीट-बंटवारे को लेकर नाखुशी जताने से पहले प्रधानमंत्री को बड़ा नेता बताते हुए उनका आभार जताया। पारस ने कहा उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा के साथ राजग की सेवा की लेकिन उनके साथ नाइंसाफी हुई। उन्होंने कहा, मेरी पार्टी और खासतौर से मेरे साथ नाइंसाफी हुई है। पारस की पार्टी के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने कहा कि पार्टी नेता जल्द मिलकर आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेंगे। उन्होंने साफ किया कि पारस चुनाव लड़ेंगे। लोकसभा में लोक जनशक्ति पार्टी के छह सांसदों में से कुछ समय पहले तक पारस को पांच सांसदों का समर्थन प्राप्त था, लेकिन प्रेस वार्ता में उनके साथ इनमें से कोई नहीं था।

सूत्रों के मुताबिक कुछ सांसद अन्य दलों के साथ चुनाव लड़ने की संभावना तलाश रहे हैं जिनमें पारस से अलग राजनीति कर रहे उनके भतीजे चिराग पासवान की लोजपा (राम विलास) भी शामिल है। पारस बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की अगुवाई वाले विपक्षी गठबंधन के साथ हाथ मिलाने की संभावना पर विचार कर सकते हैं और हाजीपुर सीट से अपने भतीजे चिराग के खिलाफ चुनाव लड़ सकते हैं। निवर्तमान लोकसभा में वह हाजीपुर का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। चिराग पासवान ने भी आगामी चुनाव में इस सीट से लड़ने का संकेत दिया है जिसे उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान के प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता है।

'राजनीतिक हथियार' बन गई है ईडी: आतिशी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर 'राजनीतिक हथियार' बनने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उच्चतम न्यायालय ने एजेंसी के इस आरोप को खारिज कर दिया था कि बीआरएस नेता के. कविता अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति में लाभ के लिए आम आदमी पार्टी के नेताओं को 100 करोड़ रुपए का भुगतान करने में शामिल थीं।

आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ईडी का मकसद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी और विधान परिषद सदस्य कविता को ईडी ने पिछले सप्ताह उनके हैदराबाद स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया था और वह 23 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में हैं।

ईडी ने सोमवार को एक बयान में दावा किया कि कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत आप के शीर्ष नेताओं के साथ दिल्ली आबकारी नीति बनाने और उसे लागू कराने में फायदा उठाने के लिए साजिश रची।

एजेंसी ने कहा, इन फायदों के बदले वह आप नेताओं को 100 करोड़ रुपए का भुगतान करने में शामिल थीं।

हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने झामुमो को झटका दिया, भाजपा में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/नई दिल्ली/भाषा। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और जामा से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक सीता सोरेन मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गईं और उन्होंने कहा कि वह राज्य को बचाने एवं अपने लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने की खातिर ''मोदी परिवार'' का हिस्सा बन रही हैं।

सीता सोरेन ने झामुमो को झटका देते हुए मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया और लोकसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले भाजपा में शामिल हो गईं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में सत्तारूढ़ झामुमो में उन्हें उपेक्षित और अलग-थलग किया जा रहा था।

तीन बार के विधायक सीता सोरेन का भाजपा में शामिल होने का निर्णय अनुसूचित जनजाति के साथ अपने जुड़ाव को बढ़ाने के झामुमो के प्रयासों के लिए एक झटका है। यह समुदाय झामुमो का मुख्य वोट आधार रहा है।

दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी सीता सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और झारखंड के चुनाव प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेयी की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली।

पार्टी सुप्रीमो और अपने ससुर शिबू सोरेन को लिखे इस्तीफे में सीता ने कहा कि उनके पति दुर्गा सोरेन के निधन के बाद पार्टी ने उन्हें तथा उनके परिवार को पर्याप्त सहयोग नहीं दिया।

उन्होंने कहा कि वह झामुमो में उपेक्षित महसूस कर रही थीं और उन्होंने भारी मन से पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का फैसला किया है।

इससे पहले सोरेन परिवार में उस समय दरार सामने आई थी जब सीता ने हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के दौरान उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बनाए जाने के किसी भी कदम का खुलकर विरोध किया था।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय ने डोभाल को डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया

बठिंडा (पंजाब)/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल को पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय में डी.लिट की उपाधि से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय सुरक्षा में दशकों लंबे शानदार करियर से राष्ट्र में अहम योगदान देने वाले डोभाल को एक दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की उपस्थिति में डोभाल को डी.लिट की उपाधि प्रदान की।

डोभाल ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, यहां होना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं विश्वविद्यालय, कुलपति और कुलाधिपति का यह पुरस्कार प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं जो कि मेरे लिए बड़े गर्व और सम्मान का विषय है। मैं युवा मित्रों को भी बधाई देता हूं जो भविष्य में एक शानदार करियर बनाने जा रहे हैं। डोभाल ने दीक्षांत समारोह में छात्रों से कहा, यह आपको तय करना है कि आप इस राष्ट्र के लिए क्या करने जा रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है...यह सिर्फ इतना नहीं है कि इस देश ने आपके विकास, आपकी क्षमताओं को निखारने, आपके शिक्षा और पेश के लिए कितना योगदान दिया है।

लोगों के दिल में टीएमसी नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के निर्वाचन आयोग से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शिकायत करने पर भाजपा ने मंगलवार को कहा कि लोगों के दिल में टीएमसी नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है और निर्वाचन आयोग द्वारा कराए जाने वाले चुनावों के बाद यह और साफ हो जाएगा। तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग से शिकायत की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के लिए केंद्र सरकार के धन का उपयोग करके आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है।

टीएमसी के नेता एवं राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ'ब्रायन ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संबोधित एक पत्र में कहा कि मोदी सरकार के कार्यक्रमों पर प्रकाश डालने वाला प्रधानमंत्री का एक संदेश आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद 16 मार्च को मतदाताओं तक पहुंचा। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि मोदी ने 15 मार्च को मतदाताओं को कथित रूप से संदेश एक पत्र के रूप में लिखा। उन्होंने निर्वाचन आयोग से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि भाजपा और उसके उम्मीदवार मोदी को ''भविष्य में प्रचार अभियानों में सरकारी खजाने का उपयोग नहीं करने और पत्र वापस लेने के लिए उचित निर्देश जारी किए जाएं...। ओ'ब्रायन ने कहा कि मतदाताओं को प्रधानमंत्री का पत्र भेजने की लागत भाजपा और मोदी के खाते में ''चुनावी खर्च' के मद में शामिल की जाए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राज्यसभा सदस्य और पार्टी के प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, संबंधित व्यक्ति (डेरेक ओ'ब्रायन) 'एक्स' पर अपने हैंडल पर ट्वीट पोस्ट करते रहते हैं और तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैच में नहीं खेल पायेंगे सूर्यकुमार

मुंबई/भाषा। स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से फिटनेस मंजूरी मिलना बाकी है जिससे निश्चित है कि वह 24 मार्च को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शुरुआती मैच में नहीं खेल पायेंगे।

दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार 'स्पोर्ट्स हर्निया' की सर्जरी के बाद उबरने और 'रिहैबिलिटशेन' के लिए बेंगलूरु स्थित एनसीए में थे।

दिसंबर से क्रिकेट से बाहर रहे सूर्यकुमार का मंगलवार को एनसीए में फिटनेस टेस्ट भी कराया गया लेकिन पीटीआई को लगता है कि इस 33 साल के खिलाड़ी के फिटनेस के आकलन की जरूरत है। मुंबई इंडियंस के 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ, एक अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और सात अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उनकी भागीदारी बाद में तय की जाएगी। सूर्यकुमार ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक अस्पष्ट संदेश पोस्ट किया जिसमें 'दिल टूटने वाली इमोजी' बनी हुई थी।

विराट कोहली ने भारत के लिए जो हासिल किया है वह उल्लेखनीय है : स्मृति मंधाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना का मानना है कि उनकी टीम की डब्ल्यूपीएल में खिताबी जीत के संदर्भ में विराट कोहली की बेंगलूरु फ्रेंचाइजी के लिए हासिल की गई उपलब्धियों को कम करके आंकना गलत होगा।

मंधाना की अगुवाई में आरसीबी ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर डब्ल्यूपीएल के दूसरे सत्र में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया जबकि उसकी पुरुष टीम पिछले 16 वर्षों में आईपीएल का खिताब जीतने में नाकाम रही। इस दौरान लगभग एक दशक तक कोहली टीम के कप्तान रहे।

मंधाना ने संवाददाताओं से कहा, खिताब अलग चीज है लेकिन उन्होंने (कोहली) देश के लिए जो हासिल किया है वह उल्लेखनीय है। इसलिए मैं अभी करियर के जिस मोड़ पर हूं और उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, उसे देखते हुए मुझे नहीं लगता की तुलना करना सही है। उन्होंने कहा, मैं तुलना करना इसलिए सही नहीं मानती क्योंकि उन्होंने जो हासिल किया है उसका कोई सानी नहीं है। वह प्रेरणादायी व्यक्ति रहे हैं। एक खिताब कई चीजों को परिभाषित नहीं करता है। हम सभी उनका सम्मान करते हैं।

मंधाना और कोहली दोनों 18 नंबर की जर्सी पहनते हैं और बाएं हाथ की बल्लेबाज ने कहा कि इस आधार पर दोनों के बीच तुलना करना सही नहीं है। उन्होंने कहा, मैं इसे 18 नंबर की जर्सी की तुलना नहीं कहूंगी। जर्सी नंबर केवल व्यक्तिगत पसंद होती है। मेरे जन्मदिन की तारीख 18 है और मेरा जर्सी नंबर 18 है। इससे इस बात का पता नहीं चलता है कि वह कैसे खेलते हैं और मैं कैसे खेलती हूं। वह कई मायनों में हमारे लिए प्रेरणादायक है इसलिए मैं यह नहीं कहूंगी कि खिताब से किसी चीज को परिभाषित करना चाहिए।

जदयू महासचिव फातमी ने छोड़ी पार्टी, राजद में वापस जैने की अटकलें तेज

पटना/भाषा। जनात दल यूनाइटेड (जदयू) के महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहम्मद अली अशरफ फातमी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया, जिसके बाद उनके वापस राष्ट्रीय जनता दल (राजद) में जाने की अटकलें शुरू हो गई हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हाथ से लिखे पत्र में फातमी ने कहा कि वह अपने मूल्यों की रक्षा करते हुए महासचिव के पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा,मैंने जदयू छोड़ दी है और इस मामले में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। जहां तक मेरे भावी कदम का सवाल है तो यह कुछ दिन में पता चल जाएगा।

राजग ने सोमवार को बिहार के लिए सीट-बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा की थी, जिसके एक दिन बाद यह घटनाक्रम सामने आया है। फॉर्मूल के तहत भाजपा दरभंगा और मधुबनी समेत 17 सीट पर चुनाव लड़ेगी। फातमी दरभंगा से चार बार सांसद रहे हैं जबकि अंदरूनी सूत्रों के अनुसार मधुबनी सीट जदयू के खाते में जाती, तो उन्हें यहां से उम्मीदवार बनाया जा सकता था।

सुविचार

जो व्यक्ति अपनी गलतियों के लिए खुद से लड़ता है, उसे कोई भी हरा नहीं सकता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंधविश्वास की जड़ें

हमारा देश विज्ञान के क्षेत्र में इतनी प्रगति कर चुका है, जिसका लोहा अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठन भी मानते हैं। चाहे जन-जन तक कोरोनारोधी वैक्सीन पहुंचानी हो या चंद्रयान-3 की सफलता हो, भारतीय वैज्ञानिकों ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से दुनिया को चमत्कृत कर दिया है। वहीं, आज भी कुछ इलाकों में लोग अंधविश्वास से नहीं निकल पा रहे हैं। कई बार यह प्रवृत्ति बहुत घातक सिद्ध हो जाती है। ओडिशा के कंधमाल जिले में एक आदिवासी दंपति की हत्या के मामले में पुलिस ने जो दावा किया, उससे पता चलता है कि समाज में अंधविश्वास की जड़ें बहुत गहराई तक मौजूद हैं। अगर लोगों में जागरूकता का प्रचार-प्रसार नहीं किया गया तो ऐसी घटनाएं भविष्य में भी हो सकती हैं। उक्त मामले में पहले तो यह शक जताया जा रहा था कि माओवादियों ने दंपति की हत्या कर दी, लेकिन बाद में पुलिस ने दावा किया कि यह हत्या जादू-टोने के शक में की गई है। मामले की हकीकत जो भी हो, वह सामने आनी चाहिए। यह जानकर हैरत होती है कि आज भी लोग इस बात पर यकीन कर लेते हैं कि अगर किसी गांव में कुछ लोग बीमार पड़ गए हैं तो इसके पीछे किसी का जादू-टोना हो सकता है! लोगों को ऐसे अंधविश्वासों में पड़ने के बजाय चिकित्सकों की सहायता लेनी चाहिए, अपनी जांच करानी चाहिए। आज चिकित्सा विज्ञान ने इतनी उन्नति कर ली है कि कुछ लम्हों की जांच में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का पता चल जाता है। देश में प्रतिभाशाली चिकित्सक हैं, उत्कृष्ट श्रेणी की दवाइयां हैं। बीमार होने पर इनसे स्वास्थ्य-लाभ होगा, न कि किसी जादू-टोने के फेर में फंसने से। उससे तो बीमारी ज्यादा बढ़ सकती है। बल्कि ऐसे भी मामले देखे गए हैं, जिनमें अंधविश्वास के कारण उस व्यक्ति की जान पर ही बन आई थी।

राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में होली और दीपावली जैसे त्योहारों पर कुछ अंधविश्वासी लोग अपने कथित फायदे के लिए ऐसे कृत्य करते मिल जाते हैं, जिससे वे दूसरों को मुसीबत में डाल देते हैं। हालांकि अब ऐसी कुप्रथाएं काफी कम हो गई हैं, लेकिन कहीं-कहीं इनका प्रचलन देखने को मिलता है। अस्सी के दशक तक ये जोरों पर थीं। उस जमाने में पशुपालकों को होली-दीपावली और अमावस्या जैसे अवसरों पर अपने पशुओं का खास ध्यान रखना होता था। चूंकि कुछ लोग अंधविश्वास के वशीभूत होकर दूसरों के पशुधन को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें करते थे। कई पशुओं की पूंछ तक काट ली जाती थी। क्या किसी पशु को पीड़ा देकर खुद के लिए खुशियों का वरदान प्राप्त किया जा सकता है? कदापि नहीं, क्योंकि हमारे ऋषियों-मुनियों ने तो दूसरों को पीड़ा देने को घोर पाप माना है। आज भी कुछ इलाकों में ऐसी कुप्रथाएं हैं, जिनके फेर में फंसने वाले मानते हैं कि इनका पालन करने से उन्हें संतान की प्राप्ति होगी। इसके तहत वे दूसरों की संतान को नुकसान पहुंचाने से भी नहीं हिचकते। इस तरह अंधविश्वास के रास्ते पर चलकर अपनी मनोकामना पूरी करने का ख्वाब उन्हें अपराध की ओर धकेल देता है। याद करें, अगस्त 2023 में झारखंड में कुछ निर्दोष महिलाओं को डायन जैसी कुप्रथा के नाम पर सताने की घटनाएं सुर्खियों में रही थीं। प्राय: इन महिलाओं को अपमानित करने के लिए कुछ शातिर लोग झूठी कहानियां गढ़ते हैं। बाद में अफवाह फैलाकर इनका उत्पीड़न करते हैं। इस कुप्रथा के मामलों के मद्देनजर उच्च न्यायालय ने उन्हें रोकने के लिए प्रशासन द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में राज्य सरकार को विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। अंधविश्वास के नाम पर हर तरह का शोषण, उत्पीड़न बंद होना चाहिए। लोगों को विभिन्न माध्यमों से जागरूक करना चाहिए। अगर जरूरी हो तो सरकार को कानून भी बनाना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

आज, भाजपा जिला-जयपुर देहात, उत्तर की नवगठित कार्यकारिणी के कर्मठ कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों से स्नेहिल भेंट और सार्थक संवाद का सुअवसर मिला। हमने सरकार की विभिन्न नीतियों, विकासोन्मुख परियोजनाओं और संगठनात्मक विषयों पर गहन चर्चा की।

-राज्यवर्धन राठौड़

कार्यकर्ताओं से कहा कि यह महज लोक सभा का चुनाव नहीं है। यह देश के भविष्य का चुनाव है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का चुनाव है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई ऊंचाइयां दी हैं। उनके नेतृत्व में आने वाले पांच साल ऐतिहासिक बदलाव के होंगे।

-ओम बिरला

कांग्रेस ने सबसे पहले देश को जाति में बांटा, समुदाय में बांटा, धर्मक्षेत्र और भाषा के आधार पर लोगों को बांटा और सत्ता हासिल करने के लिए कांग्रेस ने देश का बंटवारा भी किया। अब कांग्रेस फिर से देश को बांटने वाले खतरनाक खेल खेलने लगी है।

-सीपी जोशी

प्रेरक प्रसंग

अनूठा बलिदान

पंजाब के क्रांतिकारी युवक पंडित रामरक्खा को ब्रिटिश राज्य के विरुद्ध विद्रोह भड़काने के आरोप में आजीवन कारावास का दंड देकर अंडमान की जेल भेजा गया। जेल पहुंचते ही जेलर ने उन्हें गले से यज्ञोपवीत को निकालने का आदेश दिया। रामरक्खा ने कहा' 'जनेऊ हम ब्राह्मणों का धार्मिक चिन्ह है। मैं इसे धारण किए बिना पानी तक नहीं पी सकता।' अंग्रेज जेलर के आदेश पर वार्डनों ने उसे पकड़कर जबरदस्ती यज्ञोपवीत उसके गले से निकाल कर तोड़ कर फेंक दिया। रामरक्खा उसी समय से यज्ञोपवीत तोड़े जाने के विरोध में अनशन पर बैठ गया। वीर सावरकर, भाई परमानंद तथा अन्य अनेक क्रांतिकारी भी उसी जेल में बंद थे। सभी ने उससे प्राण रक्षा का आग्रह किया तथा परामर्श दिया कि अन्न ग्रहण कर ले और अपनी जनेऊ धारण करने की मांग करता रहे। किंतु वह स्वाभिमानी धर्मवीर अन्न-जल ग्रहण करने को तैयार नहीं हुआ। लगभग 20 दिन तक अनशन करने के बाद उसने प्राण त्याग दिए। उसके इस अनूठे बलिदान की चर्चा देश के समाचारपत्रों में हुई। उसके प्राणोत्सर्ग का यह परिणाम निकला कि भारतीय बंदियों को यज्ञोपवीत धारण करने की अनुमति मिल गई।

सामयिक

पाक के लिए भस्मासुर क्यों बन गया गुलाम तालिबान?

आचार्य विष्णु हरि
मोबाइल : 9315206123

पाकिस्तान के लिए भस्मासुर क्यों बन गया गुलाम तालिबान? इसका प्रमाण पाकिस्तान का एयर स्टराइक है। अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान का एयर स्टराइक काफी गभीर चर्चा का विषय है और यह प्रमाणित करता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा नीति घोर संकट में है और उस पर तालिबान की चुनौती भारी पड रही है। पाकिस्तान सेना के लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के पक्तिका और खोस्त प्रांतों में एयर स्टराइक किया है। एयर स्टराइक में कोई एक दर्जन से अधिक लोग मारे गये हैं। मारे गये लोगों में तीन मासूम बच्चे और तीन महिलाएं हैं। मारे गये लोग तालिबानी थें या आम नागरिक थे, यह कहना मुश्किल है, क्योंकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार के दावे अलग-अलग हैं। तीन बच्चों और तीन महिलाओं के मारे जाने के संकेत क्या है? संकेत तो यही हैं कि मारे गये बच्चे और महिलाएं तो तालिबानी नहीं हो सकते हैं, ये तालिबान लडाकू हो नहीं सकते हैं, मासूम बच्चे हथियार नहीं उठा सकते और तालिबान अपने दस्ते महिलाओं को शामिल करते नहीं, तालिबान तो महिलाओं को घर से अकेले निकलने का विरोधी है, ऐसे कदमों पर महिलाओं को गोलियों से उड़ा देता है। इसलिए यह कहना सही होगा कि पाकिस्तान के एयर स्टाइक में मारे गये अधिकतर लोग आम नागरिक ही होंगे। यह अलग बात है कि पाकिस्तान की सेना अपनी खुद की पीठ थपथपा रही है और कह रही है कि उसने तालिबान को सबक सीखा दिया है, पाकिस्तान विरोधी तालिबान कंमाडर को मार गिराया है। तहरीक-ए-तालिबान का कमांडर अब्दुला शाह उसके लिए खतरा का पर्याय था। अब्दुला शाह पाकिस्तान के अंदर में कई हिंसक घटनाओ को अंजाम दे चुका था और आतंकवाद की पाठशाला कायम कर रखा था। हालांकि पाकिस्तान के इस दावे का भी तालिबान ने एक वीडियो जारी कर खंडन कर दिया और कह दिया कि अब्दुला शाह जिंदा है। जानना यह भी जरूरी है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के नियंत्रण से तहरीक-ए-तालिबान बाहर है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान में अपना इस्लाम लागू करना और स्थापित करना चाहता है। एयर स्टराइक के माध्यम से पाकिस्तान तालिबान को कुचल देगा, ऐसा लगता नहीं। भस्मासुर पैदा करने की कीमत पाकिस्तान चुका रहा है। पहले भारत, फिर ईरान और अब तालिबान से भी पाकिस्तान मार खा रहा है।

पाकिस्तान की इस कार्रवाई पर तालिबान कितना गुस्से में हैं? तालिबान क्या इसका बदला लेगा? क्या तालिबान को अपने नागरिकों की जिंदगी की कोई चिंता है? तालिबान क्या सही में पाकिस्तान के अंदर अराजकता फैलाने के लिए सक्रिय है और हिंसक व आतंकवाद की घटनाओं को अंजाम दे रहा है? किस नीति के तहत तालिबान पाकिस्तान से दुश्मनी मोल ले रहा है, पाकिस्तान को नाराज कर उसकी संप्रभुत्ता को लहूलुहान कर रहा है? क्या ऐसी हरकतों से तालिबान की छबि और खराब नहीं होगी? क्या इस प्रश्न पर तालिबान को अंतर्राष्टीय मदद की उम्मीद और भी कम होती है? क्या तालिबान पाकिस्तान की चिंताओं और आरोपों के समाधान के लिए कोई कोशिश करेगा? क्या तालिबान खुद ही कई भागों में बंट कर अराजकता और हिंसा का पर्याय फिर से बन जायेंगे?

सबसे पहले तालिबान की मंशा और उसकी प्रतिक्रिया को देखना और समझना जरूरी है। तालिबान की प्रतिक्रिया कोई संयमित भी नहीं है और वार्ता के अनुकूल भी नहीं है। उसकी प्रतिक्रिया काफी त्रीव है और दो-दो हाथ करने जैसी है। यह अलग बात है कि तालिबान ने तुरंत-फुरंत कोई हिंसक या फिर युद्धक प्रतिक्रिया नहीं दी है। पर तालिबान भड़का हुआ जरूर है, उसके तेवर गर्म हैं। तालिबान की प्रतिक्रिया के शब्द इस प्रकार हैं, हमारे धीरज और संयम की परीक्षा नहीं ले पाकिस्तान, पाकिस्तान हमारी प्रतिक्रिया से तबाह हो जायेगा, पाकिस्तान खुद अपना घर ठीक करे, हमारी संप्रभुत्ता को रौंदने का उसे अधिकार नहीं है, हम अपनी संप्रभुत्ता की रक्षा करने जानते हैं। सही भी यही है। क्या यह सही नहीं है कि तालिबान ने दुनिया की सबसे बडी और दक्ष सेना अमेरिका को अफगानिस्तान से भागने के लिए विवश नहीं किया था? अमेरिका की जगह पाकिस्तान की क्या विसात है? पाकिस्तान की सेना न तो दक्ष है और न आर्थिक संसाधनों से मजबूत है, उसके पास तालिबान की गभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए युद्धक तकनीकों का आधुनिक संस्करण भी नहीं है? फिर तालिबान तो पाकिस्तान की सेना पर अपनी संप्रभुत्ता गत जरूरतों को ख्याल रखने या पालन करने की चुनौती दे ही सकता है।

हमेशा कोई गुलाम नहीं होता है, हमेशा कोई मोहरा नहीं होता है, हमेशा कोई यस मैन नहीं होता है। खुद के हित की चिंता होती है, खुद के अस्तित्व का प्रश्न खडा होता है तो फिर गुलाम बने रहने पर, हथकंडा बने रहने और यस मैंन बने रहने की उम्मीद नहीं होती है, ऐसी स्थिति में गुलाम, हथकंडा और यस मैंन में भी आजाद होने की ललक जगती है, भावना आती है। तालिबान भी अब पाकिस्तान का गुलाम, हथकंडा और यस मैंन नहीं रह सकता है, क्योंकि उसे भी अपने हित की चिंता है, उसे भी अब अपनी संप्रभुत्ता की चिंता है, उसे भी अब अपने नागरिकों के हित और जान की चिंता है। तालिबान अब लडाकू नहीं रहे, तालिबान अब आतंकवादी नहीं रहे, तालिबान अब अपने नागरिकों के खून के प्यासे आतंकवादी नहीं रहे। तालिबान अब शासक बन गये हैं, तालिबान अब सरकार बन गये हैं, तालिबान अब अपने नागरिकों के रक्षक बन गये हैं। तालिबान अब अपने देश के नक्शे के संरक्षक बन गये हैं। इसलिए पाकिस्तान की अब अफगानिस्तान में गुंडागर्दी नहीं चल सकती है, उनकी मनचाही इच्छाओं को पूरा करने के लिए तालिबान सक्रिय नही रह सकता है।

पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद का असली कारण क्या है? क्या सिर्फ तहरीक-ए-तालिबान नामक आतंकवादी संगठन ही जिम्मेदार है या फिर कोई अन्य प्रसंग भी हैं? कई अन्य प्रसंग है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा विवाद भी काफी उग्र धारण कर लिया है। यह विवाद कोई आज का नहीं है। यह विवाद अंग्रेज काल से ही है। अंग्रेजों ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा तय की थी, उस सीमा को अफगानिस्तान ने कभी माना नहीं, पाकिस्तान के शासकों ने भी अंग्रेजों द्वारा निर्धारित सीमा को मानने से इनकार कर दिया था। तालिबान के सरकार में आने के बाद पाकिस्तान ने सोचा था कि सीमा समस्या को तालिबान हल कर लेगा और पाकिस्तान की इच्छाओं को पूरा कर देगा। पर तालिबान ने ऐसा नहीं किया। तालिबान ने कह दिया कि वह सीमा विवाद को लेकर पाकिस्तान के सामने हथियार डालने के लिए विवश नहीं हो सकता है। इधर तहरीक-ए-तालिबान ने मूल तालिबान से अलग होकर अपनी इस्लामिक लडाई को त्रीव किया। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के अंदर कई आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिया, पाकिस्तान को लहूलुहान करने की नीति पर चल रहा है। तहरीक-ए-तालिबान अपनी सोच पर आधारित इस्लाम की स्थापना पाकिस्तान के अंदर चाहता है। इसीलिए वह पाकिस्तान को अस्थिर कर रहा है और आतंकवाद से लहूलुहान कर रहा है।

इससे पाकिस्तान को कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही है। पहाडी क्षेत्र होने के कारण पाकिस्तान की सैनिक और अन्य सुरक्षा बल तालिबान के आतकवादियों के शिकार हो जाते हैं। इस कारण पाकिस्तान ने सीमा पर बाड लगाने की कार्रवाई की है। बाड लगाने के दौरान पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा का उल्लंघन किया और कई क्षेत्रों को अपने अंदर कर लिए। ऐसा आरोप तालिबान सरकार का है। तालिबान का कहना है कि सीमा पर बाड-ताड लगाने की एकतरफा कार्रवाई से उसकी संप्रभुत्ता को कुचला जा रहा है। पाकिस्तान ने तालिबान को पैदा किया और भस्मासुर बनाया। पाकिस्तान ने कभी तालिबान और अलकायदा जैसे आतंकवादियों के भरोसे पूरी दुनिया को इस्लाम के झंडे के नीचे खडा करने का सपना देखा था। जियाउल हक, परवेज मुशर्रफ, नवाज शरीफ और बेनजीर भूट्टों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर तालिबान जैसी आतंकवादियों की शक्ति को संरक्षण दिया था और पाला पोशा था। आज अपने भस्मासुरों द्वारा ही पाकिस्तान लहूलुहान हो रहा है। पाकिस्तान आज एक विफल देश बन गया है। कटोरे लेकर दुनिया भर में भीख मांग रहा है फिर भी उसे भीख नहीं मिल रही है। भारत, ईरान से पाकिस्तान तो मार खा ही रहा था और अब अफगानिस्तान से भी मार खा रहा है। जैसी करनी वैसी भरनी।

विशेष

तन मन को सुकून देती है गौरैया की चहचहाहट

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

विश्व गौरैया दिवस हर साल 20 मार्च को मनाया जाता है। घर-आंगन में दिनभर दाना चुगने वाली गौरैया यानि हमारी प्यारी चिड़िया अब गायब होती जा रही है। चिड़िया की चहचहाहट अब हमें अलसुबह नींद से नहीं जगाती। चिड़िया की चहचहाट का स्थान अब मोबाइल की घनघनाहट ने ले लिया है। अब हमें चिड़िया नहीं मोबाइल जगाता है। वह भी एक समय था जब घर आंगन में फुदकती नहीं चिड़िया को देखकर तन मन आल्हादित हो जाता था। महानगरीय संस्कृति में चिड़िया के दर्शन लगभग दुर्लभ हो गए है, फिर भी कभी कभार जब इनकी चिं चिं की आवाज़ सुनाई देती है तो इन्हें देखने और सुनने को मन उतावला हो जाता है। पक्षियों के प्रति हमारी हमारी सोच यूँ ही संकुचित होती गयी तो यह दुर्लभ प्रजाति भी किताबों और कागजों में चित्र के रूप में ही देखने को मिलेगी। मोबइल फ़ोन चिड़िया की चहचहाहट के चुप हो जाने का एक प्रमुख कारण बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सबसे चौंकाने वाली खोज यह है कि इमारतों की छतों पर मोबाइल फ़ोन कंपनियों के बढ़ते हुए एंटेना और ट्रांसमीटर टावर गौरैया चिड़ियों की घटती हुई संख्या का मुख्य कारण बनते जा रहे हैं। ये टॉवर रात दिन 900 से 1800 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी का विद्युत चुंबकीय विकिरण (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन) पैदा करते हैं, जो चिड़ियों के शरीर के आर पार चला जाता है। उनके तंत्रिकातंत्र और उनकी दिशाज्ञान प्रणाली को प्रभावित करता है। उन्हें अपने घोंसले और चारे की जगह ढूंढने में दिशाभ्रम होने लगता है। जिन चिड़ियों के घोंसले किसी मोबाइल फ़ोन टॉवर के पास होते हैं, उन्हें एक ही सप्ताह के भीतर अपना घोंसला त्याग देते देखा गया। दुनियाभर में पिछले 12 सालों से विश्व गौरैया दिवस मनाया जा रहा है। इस दिवस को मनाने की वजह गौरैयाओं के अस्तित्व को बचाना है। गौरैया भारत में पाया जाने वाला एक सामान्य पक्षी है। गौरैया दिवस को नासिक में रहने वाले मोहम्मद दिलावर के प्रयत्नों से मनाया जा रहा है। उन्होंने गौरैया संरक्षण के लिए नेचर फॉर सोसाइटी नामक एक संस्था की शुरुआत की थी। गौरैया के संरक्षण के लिए अपनी छत पर दाना-पानी रखें। इसके साथ ही अधिक से अधिक पेड़ और पौधे लगाएं। कृत्रिम घोंसलों का निर्माण करें

जिससे स्वछन्द होकर वे विचरण कर सके। एक समय था जब आपको चिड़िया गाँव हो या शहर सड़क हो या खेत अथवा घर का कोई कोना हर जगह चहचहाती मिल जाती थी। आज वह कहां खो गयी जिसे बचपन में अकसर नीले आसमान में झुण्ड के रूप में उड़ते देखता था। गौरेया या चिड़िया एक घरेलू पक्षी है। पर्यावरण संतुलन में गौरैया महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

नजरिया

आस्था के प्रतीक हैं खाटू के श्री श्याम

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

हमारे देश में बहुत से ऐसे धार्मिक स्थल हैं जो अपने चमत्कारों व वरदानों के लिए प्रसिद्ध हैं। उन्हीं मंदिरों में से एक है राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के सीकर जिले का विश्व विख्यात प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर। यहां फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को श्याम बाबा का विशाल वार्षिक मेला भरता है। जिसमें देश-विदेशों से आये करीबन 25 से 30 लाख श्रद्धालु शामिल होते हैं। खाटू श्याम का मेला राजस्थान के बड़े मेलों में से एक है। इस मंदिर में भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र बर्बरीक की श्याम यानी कृष्ण के रूप में पूजा की जाती है। इस मंदिर के लिए कहा जाता है कि जो भी इस मंदिर में जाता है उन्हें श्याम बाबा का नित नया रूप देखने को मिलता है। कई लोगों को तो इस विग्रह में कई बदलाव भी नजर आते है। कभी मोटा तो कभी दुबला। कभी हंसता हुआ तो कभी ऐसा तेज भरा कि नजरें भी नहीं टिक पातीं। श्याम बाबा का धड़ से अलग शीष और धनुष पर तीन वाण की छवि वाली मूर्ति यहां स्थापित की गईं। कहते हैं कि मन्दिर की स्थापना महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद स्वयं भगवान कृष्ण ने अपने हाथों की थी।

श्याम बाबा की कहानी महाभारत काल से आरम्भ होती है। वे पहले बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे तथा भीम के पुत्र घटोतकच और नाग कन्या अहिलवती के पुत्र थे। बाल्यकाल से ही वे बहुत वीर और महान योद्धा थे। उन्होने युद्ध कला अपनी मां से सीखी। भगवान शिव की घोर तपस्या करके उन्हें प्रसन्न किया और उनसे तीन अभेध्य बाण प्राप्त कर तीन बाणधारी के नाम से प्रसिद्ध हुये। अग्नि देव ने प्रसन्न होकर उन्हें धनुष प्रदान किया जो उन्हें तीनो लोकों में विजयी बनाने में समर्थ थे। कौरवों और पाण्डवों के मध्य महाभारत युद्ध का समाचार बर्बरीक को प्राप्त हआ तो उनकी भी युद्ध में सम्मिलित होने की इच्छा जागृत हुयी। जब वे अपनी मां से आशीर्वाद प्राप्त करने पहुंचे तब मां को हारे हुये पक्ष का साथ देने का वचन दिया। महाभारत के युद्ध में भाग लेने के लिये वे अपने नीले रंग के घोडे पर सवार होकर धनुष व तीन बाणों के साथ कुरूक्षेत्र की रणभूमि की और अग्रसर हुये।

भगवान कृष्ण ने ब्राह्मण वेश धारण कर बर्बरीक से परिचित होने के लिये उसे रोका और यह जानकर उनकी हंसी भी उड़ायी कि वह मात्र तीन बाण से युद्ध में सम्मिलित होने आया है। ऐसा सुनने पर बर्बरीक ने उत्तर दिया कि मात्र एक बाण शत्रु सेना को ध्वस्त करने के लिये पर्याप्त है और ऐसा करने के बाद बाण वापिस तरकस में ही आयेगा। यदि उन्होने तीनो बाणों को प्रयोग में ले लिया गया तो तीनो

लोकों में हाहाकार मच जायेगा। इस पर कृष्ण ने उन्हें चुनौती दी की इस पीपल के पेड के सभी पत्रों को छेद कर दिखलाओ। जिसके नीचे दोनो खड़े थे। बर्बरीक ने चुनौती स्वीकार की और अपने तुणीर से एक बाण निकाला और ईश्वर को स्मरण कर बाण पेड़ के पत्तो की और चलाया।

तीर ने क्षण भर में पेड के सभी पत्तों को भेद दिया और कृष्ण के पैर के इर्द-गिर्द चक्कर लगाने लगा। क्योंकि एक पत्ता उन्होनें अपने पैर के नीचे छुपा लिया था। तब बर्बरीक ने कृष्ण से कहा कि आप अपने पैर को हटा लीजिये वर्ना ये आपके पैर को चोट पहुंचा देगा। कृष्ण ने बालक बर्बरीक से पूछा कि वह युद्ध में किस और से सम्मिलित होगा तो बर्बरीक ने अपनी मां को दिये वचन दोहराते हुये कहा कि वह युद्ध में निर्बल और हार की और अग्रसर पक्ष की तरफ से भाग लेगा। कृष्ण जानते थे कि युद्ध में हार तो कौरवों की ही निश्चित है। अगर बर्बरीक ने उनका साथ दिया तो परिणाम उनके पक्ष में ही होगा। ब्राह्मण बने कृष्ण ने बालक बर्बरीक से दान की अभिलाषा व्यक्त की। इस पर वीर बर्बरीक ने उन्हें वचन दिया कि अगर वो उनकी अभिलाषा पूर्ण करने में समर्थ होगा तो अवश्य करेगा। कृष्ण ने उनसे शीश का दान मांगा। बालक बर्बरीक क्षण भर के लिये चकरा गया परन्तु उसने अपने वचन की दृढ़ता जतायी। बालक बर्बरीक ने ब्राह्मण से अपने वास्तिवक रूप में आने की प्रार्थना की और कृष्ण के बारे में सुन कर बालक ने उनके विराट रूप के दर्शन की अभिलाषा व्यक्त की। तब कृष्ण ने उन्हें अपना विराट रूप दिखाया।

उन्होंने बर्बरीक को समझाया कि युद्ध आरम्भ होने से पहले युद्धभूमि की पूजा के लिये एक वीर क्षत्रिय के शीश के दान की आवश्यक्ता होती है। उन्होनें बर्बरीक को युद्ध में सबसे बड़े वीर की उपाधि से अलंकृत कर उनका शीश दान में मांगा। बर्बरीक ने उनसे प्रार्थना की कि वह अंत तक युद्ध देखना चाहता है। श्री कृष्ण ने उनकी यह बात स्वीकार कर ली। फाल्गुन माह की द्वादशी को उन्होनें अपने शीश का दान दिया। उनका सिर युद्धभूमि के समीप ही एक पहाड़ी पर सुशोभित किया गया जहां से बर्बरीक सम्पूर्ण युद्ध का जायजा ले सकते थे। युद्ध की समाप्ति पर पांडवों में ही आपसी खींचाव हुआ कि युद्ध में विजय का श्रेय किसको जाता है। इस पर कृष्ण ने उन्हें सुझाव दिया कि बर्बरीक का शीश सम्पूर्ण युद्ध का साक्षी है। उससे बेहतर निर्णायक भला कौन हो सकता है। सभी इस बात से सहमत हो गये। बर्बरीक के शीश ने उत्तर दिया कि कृष्ण ही युद्ध मे विजय प्राप्त कराने में सबसे महान पात्र हैं। उनकी शिक्षा, उनकी उपस्थिति, उनकी युद्धनीति ही निर्णायक थी। उन्हें युद्धभूमि में सिर्फ उनका सुदर्शन चक्र घूमता हुआ दिखायी दे रहा था जो कि शत्रु सेना को काट रहा था। महाकाली दुर्गा कृष्ण के आदेश पर शत्रु सेना के रक्त से भरे प्यालों का सेवन कर रही थी।

कृष्ण वीर बर्बरीक के महान बलिदान से काफी प्रसन्न हुये और वरदान दिया कि कलियुग में तुम श्याम नाम से जाने जाओगे, क्योंकि कलियुग में हारे हुये का साथ देने वाला ही श्याम नाम धारण करने में समर्थ होगा। ऐसा माना जाता है कि एक बार एक गाय उस स्थान पर आकर अपने स्तनों से दुग्ध की धारा स्वतरू ही बहा रही थी बाद में खुदायी के बाद वह शीश प्रकट हुआ। एक बार खाटू के राजा को स्वप्न में मन्दिर निर्माण के लिये और वह शीश मन्दिर में सुशोभित करने के लिये प्रेरित किया गया। तदन्तर उस स्थान पर मन्दिर का निर्माण किया गया और कार्तिक माह की एकादशी को शीश मन्दिर में सुशोभित किया गया, जिसे बाबा श्याम के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। मूल मंदिर 1027 ई. में रूपसिंह चैहान और उनकी पत्नी नर्मदा कंवर द्वारा बनाया गया था। मारवाड़ के शासक ठाकुर के दीवान अभय सिंह ने ठाकुर के निर्देश पर 1720 ई0 में मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। मंदिर इस समय अपने वर्तमान आकार ले लिया और मूर्ति गर्भगृह में प्रतिष्ठापित किया गया था। मूर्ति दुर्लभ पत्थर से बनी है।

पिछले वर्ष अगस्त को खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने जा रही 3 महिलाओं की भगदड़ में मौत होने के बाद प्रशासन यहां की व्यवस्था को लेकर पूरा सख्त हो गया। जिला प्रशासन व मंदिर प्रबंध कमेटी ने मिलकर खाटू श्याम मंदिर परिक्षेत्र में कई नई सुविधाओं को प्रारंभ किया है। यहां के आम रास्तों को 40 फीट तक चौड़ा किया गया है। मंदिर में दर्शन करने की व्यवस्था में भी आमूलचूल परिवर्तन किया गया है। इससे मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा हो रही है। यदि आने वाले समय में सरकार यहां के मंदिर परिसर का विस्तार कर एक सार्वजनिक ट्रस्ट का गठन करें तो राजस्थान के इस प्रसिद्ध मंदिर का भी आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर की तरह व्यवस्थित ढंग से विकास हो सकता है। जिसका लाभ श्रद्धालुओं को ही मिलेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इंतजार

पलक्कड़ में मंगलवार को रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देखने का इंतजार कर रहे भाजपा समर्थक।

फ़लस्तीन के भावी प्रधानमंत्री ने सुधार की योजनाएँ बनाईं लेकिन बाधाओं का करना पड़ेगा सामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामल्ला। फलस्तीन के भावी प्रधानमंत्री ने मंगलवार को कहा कि वह गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख के लिए प्रौद्योगोकी में निपुण लोगों को सरकार में नियुक्त करेंगे और एक स्वतंत्र न्यास कोष स्थापित करेंगे।

एसोसिएटेड प्रेस को मिले एक मिशन वक्तव्य के मुताबिक, मोहम्मद मुस्तफा ने अमेरिका द्वारा बुलाई गई बैठक में संघर्ष के समाधान के तौर पर युद्ध के बाद के फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के लिए व्यापक योजनाएं पेश कीं। हालांकि, पीए के पास गाजा में कोई शक्ति नहीं है क्योंकि वहां 2007 से ही हमास सत्ता में है और केवल इजराइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट के कुछ हिस्सों तक उसका अधिकार सीमित है।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में पीए की किसी भी वापसी से इनकार किया है और उनकी सरकार फलस्तीन को देश का दर्जा देने की घोर विरोधी है।

फलस्तीनी के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने पिछले सप्ताह मुस्तफा को प्रधानमंत्री के रूप में नामित किया था। अमेरिका में शिक्षित अर्थशास्त्री और लंबे समय तक अब्बास के सलाहकार रहे मुस्तफा एक स्वतंत्र व्यक्ति हैं जिनका कोई राजनीतिक आधार नहीं है। मिशन के बयान के मुताबिक, मुस्तफा ने कहा कि वह एक 'गैर-दलीय, तकनीकी लोकतांत्रिक सरकार नियुक्त करेंगे जो हमारे लोगों का विश्वास और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का समर्थन दोनों हासिल कर सके। उन्होंने पीए संस्थानों में व्यापक सुधार और भ्रष्टाचार को ''कतई बर्दाश्त नहीं करने'' की नीति का वादा किया। उन्होंने कहा कि वह क्षेत्रों को फिर से एकीकृत करने और 'गाजा के पुनर्निर्माण के लिए एक स्वतंत्र, सक्षम और पारदर्शी एजेंसी और आवश्यक धन जुटाने, प्रबंधन और वितरण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रबंधित एक न्यास कोष' बनाने की कोशिश करेंगे।

दृष्टिकोण बयान में हमास का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जिसने पिछली बार 2006 में फलस्तीनियों के राष्ट्रीय चुनावों में भारी जीत हासिल की थी। सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि उसे अभी भी अहम समर्थन प्राप्त है।

पीए पर समग्र नियंत्रण रखने वाले अब्बास (88 वर्षीय) 2009 में जनादेश का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से सत्ता में बने हुए हैं और उन्होंने इजराइली प्रतिबंधों का हवाला देते हुए चुनाव कराने से इनकार कर दिया है। सर्वेक्षणों के मुताबिक, फलस्तीनियों का एक बड़ा धड़ा चाहता है कि वह इस्तीफा दे दें।

मुस्तफा ने कहा कि पीए का लक्ष्य राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव कराना है, लेकिन उन्होंने कोई समय सीमा नहीं दी। भावी प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम में 'जमीनी वास्तविकताओं' पर निर्भर करेगा, जिन क्षेत्रों पर इज़राइल ने 1967 के पश्चिम एशिया युद्ध के बाद कब्जा कर लिया था।

शोभा यात्रा

पटना में मंगलवार को श्री श्याम फागुन पवित्र ध्वजा निशान शोभा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

किम जोंग उन ने सियोल को निशाना बनाने वाली प्रणाली के अभ्यास का निरीक्षण किया : उत्तर कोरिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने परमाणु आयुद्ध ले जाने में सक्षम उन रॉकेट को दागे जाने के अभ्यास का निरीक्षण किया जिन्हें कथित तौर पर दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल को निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है।

सरकारी मीडिया की खबर के मुताबिक, किम ने प्रतिद्वंद्वियों के साथ बढ़ते टकराव के मद्देनजर अपने बचाव उपायों को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया। इससे एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान की सेनाओं ने कहा था कि उत्तर कोरिया ने अपने पूर्वी तटीय क्षेत्र की ओर कम दूरी की कई बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। उत्तर कोरिया ने सोमवार को जिन तीन प्रणालियों का परीक्षण किया है कि उनमें 600 मिलीमीटर बहु रॉकेट प्रक्षेपक भी शामिल है जो सामरिक परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी' (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीर में दिख रहा है कि प्रक्षेपण वाहन से एकसाथ कम से कम छह रॉकेट दागे गए।

केसीएनए ने कहा कि इसके बाद उत्तर कोरियाई सैनिकों ने अलग परीक्षण भी किया, जिसमें तोप से दागे गए गोले से पूर्व-निर्धारित ऊंचाई पर बीच हवा में विस्फोट कराया गया।

किम ने 600 मिलीमीटर बहु रॉकेट प्रक्षेपक को अपने शस्त्रागार का प्रमुख हिस्सा बताया, जो कोरियाई प्रायद्वीप में एक और युद्ध छिड़ने पर दक्षिण कोरियाई राजधानी सियोल को नष्ट करने में सक्षम है। केसीएनए के मुताबिक, (किम ने) कहा कि दुश्मनों को यह समझाना जरूरी है कि अगर सशस्त्र संघर्ष और युद्ध छिड़ जाता है, तो वे विनाशकारी परिणामों से कभी नहीं बच सकते। वहीं, दक्षिण कोरिया के 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' ने मंगलवार को कहा कि उसका आकलन है कि तस्वीरों में जितने प्रक्षेपण दिख रहे हैं, उत्तर कोरिया ने उनसे ज्यादा का प्रक्षेपण किया है।

हांगकांग में नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित, सरकार को असहमति पर अंकुश लगाने की अधिक शक्ति दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हांगकांग।हांगकांग की विधायिका ने मंगलवार को एक नया राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित किया जो सरकार को असहमति खत्म करने की अधिक शक्ति प्रदान करता है। इसे 2019 में लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों के कारण हुई व्यापक राजनीतिक कार्रवाई के नवीनतम कदम के रूप में देखा जा रहा है। विधायिका ने मंगलवार को एक विशेष सत्र के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा सुरक्षा कानून पारित किया।

यह चार साल पहले चीन द्वारा लागू एक ऐसे ही कानून से भी कठोर है, जिसने वित्तीय केंद्र में विपक्षी आवाजों को काफी हद तक खामोश कर दिया है।

हांगकांग की विधान परिषद में चुनावी बदलाव के बाद चीन के प्रति निष्ठा रखने वालों का दबदबा है। विधायी परिषद ने विरोधी आवाज को दबाने वाले काननू को लागू करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। आठ मार्च को विधेयक पेश किया गया था। हांगकांग के नेता जॉन ली द्वारा कानून को 'पूरी गति से' से आगे ले जाने की अपील के बाद एक समिति ने एक सप्ताह तक दैनिक बैठकें कीं।

कानून में कई प्रकार की उन कार्रवाइयों के लिए कठोर दंड का प्रावधान है जिन्हें अधिकारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हैं। इनमें सबसे गंभीर देशद्रोह और विद्रोह है। इनमें आजीवन कारावास तक की सजा भी शामिल है। देशद्रोही किताब या सामग्री रखने सहित छोटे अपराधों के लिए भी कई वर्षों की जेल हो सकती है।

कुछ प्रावधान दुनिया में कहीं भी किए गए कृत्यों के लिए आपराधिक मुकदमा चलाने की अनुमति देते हैं। आलोचकों ने चिंता जताई है कि नया कानून नागरिक स्वतंत्रता को और कमजोर कर देगा जिसे चीन ने तब 50 वर्षों तक संरक्षित करने का वादा किया था जब 1997 में पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश चीनी शासन में वापस आया था।

फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का गाना 'हम यहीं' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का गाना 'हम यहीं' रिलीज हो गया है कुणाल खेमू फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' के साथ निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की मुख्य भूमिका है। फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का गाना 'हम यहीं' रिलीज हो गया है।'हम यहीं' गाना के साथ कुणाल खेमू ने गायन-गीत लेखन के क्षेत्र में डेब्यू किया है।'हम यहीं' गाना कुणाल खेमू द्वारा सह-संगीतबद्ध, गाया और लिखा गया है।

गाना 'हम यहीं' दोस्तों के अनमोल यादों को याद दिलाता है, जिसमें साझेदारी और खुशी का एहसास है। गाने का संगीत अंकुर तिवारी कंपोज किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस में बनी 'मडगांव एक्सप्रेस' एक कॉमेडी फिल्म है, जो तीन दोस्तों के एक अतरंगी रोड ट्रिप पर आधारित होगी। फिल्म में तीन बचपन के दोस्त गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, बीच रास्ते में उनके साथ क्या-क्या गुजरती है इसे हलकी-फुलकी कॉमेडी के रूप में इस फिल्म में पेश किया गया है। 'मडगांव एक्सप्रेस' 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

'देवरा: पार्ट 1' का अगला शूट शेड्यूल गोवा में किया शुरू

मुंबई/एजेन्सी

मैन ऑफ़ मासेस एनटीआर जूनियर ने अपनी आने वाली फिल्म 'देवरा: पार्ट 1' का अगला शूट शेड्यूल गोआ में शुरू कर दिया है। हैदराबाद में देवरा: पार्ट 1' पहले शेड्यूल को पूरा करने के बाद, एनटीआर जूनियर अब अगले शूट शेड्यूल को शुरू करने के लिए गोवा में हैं, जिसमें एक गाने का फिल्मांकन भी शामिल है। गोवा शेड्यूल आज से शुरू हो गया है और एक सप्ताह तक चलेगा। कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित, 'देवारा' दो भागों में प्रदर्शित होगी, जिसका पहला भाग 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज होगा।

इस फिल्म का निर्माण युवासुधा आर्टर्स और एनटीआर आर्टर्स द्वारा किया गया है और इसे नंदमुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर द्वारा दिया गया है, और छायांकन आर रत्नावेलु द्वारा किया गया है।

प्रचार

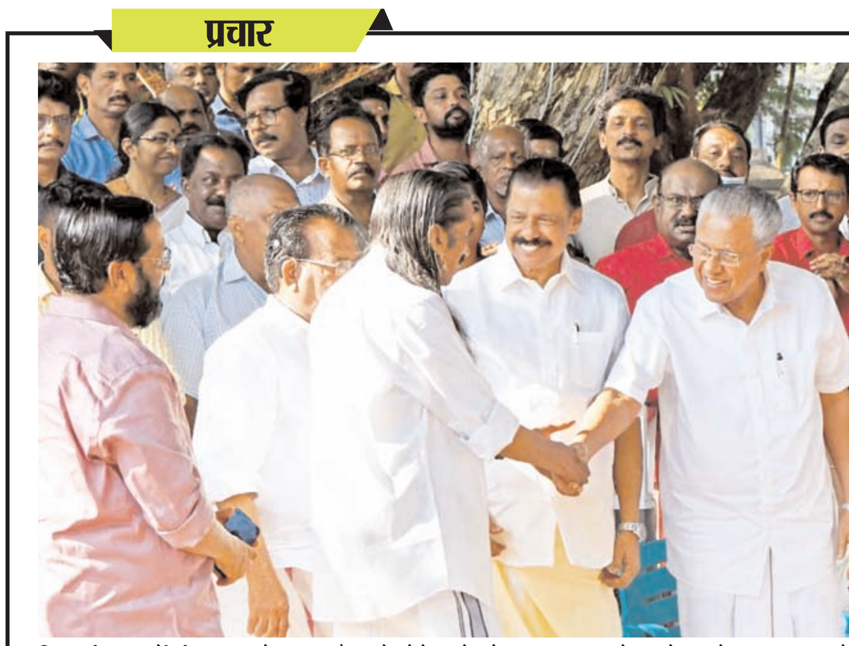

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अपने चुनाव प्रचार के दौरान सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले एलडीएफ उम्मीदवार पन्नयन रवींद्रन केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से हाथ मिलाते हुए।

'वेदा' के टीजर में एक्शन अवतार में दिखाई दिए जॉन अब्राहम

मुंबई/एजेन्सी

जॉन अब्राहम की एक्शन से भरपूर फिल्म 'वेदा' का टीजर मंगलवार को जारी किया गया। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ एक्ट्रेस शरवरी वाघ, अभिषेक बनर्जी भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में शरवरी एक फाइटर का किरदार निभा रही हैं, जहां उनके साथ जॉन भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में अभिषेक एक राजनेता की भूमिका निभा रहे हैं, जो फिल्म में जॉन अब्राहम से भिड़ते नजर आएंगे।

जॉन ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपने फॉलोअर्स के साथ फिल्म का टीजर शेयर किया।

अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, झगड़ा नहीं आता मुझे, सिर्फ जंग लड़नी आती है, 'वेदा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म का निर्देशन जॉन के साथ 'सलाम-ए-इश्क' और 'बाटला हाउस' में काम कर चुके निखिल आडवाणी ने किया है। 'वेदा' 12 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

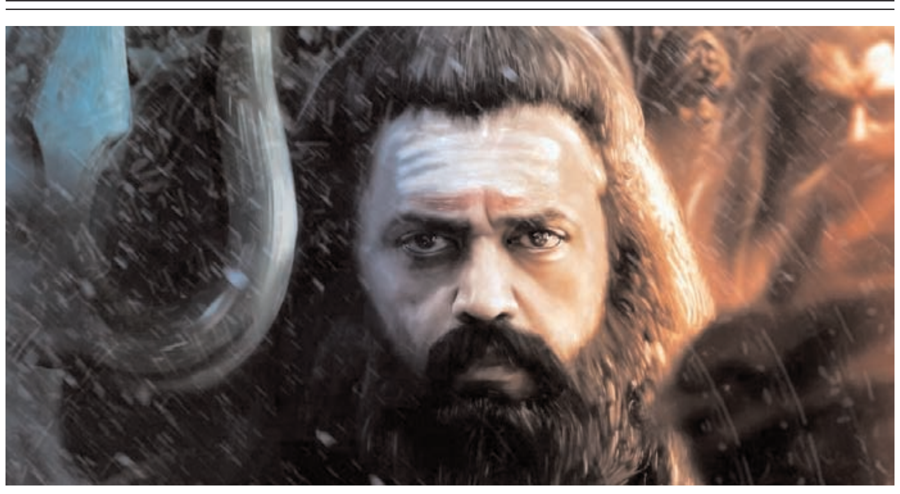

रवि किशन की फिल्म 'महादेव का गोरखपुर' 29 को रिलीज होगी

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी, हिंदी , तमिल , तेलुगु और कन्नड़ भाषा में बनी भोजपुरी सिनेमा के मेगा स्टार रवि किशन की मल्टीलैंग्वेज फिल्म महादेव का गोरखपुर हिंदुस्तान के साथ-साथ अमेरिका में भी 29 मार्च को रिलीज होगी। रवि किशन अभिनीत फ़िल्म महादेव का गोरखपुर 29 मार्च से एक-साथ देश-विदेश में प्रदर्शन के लिये तैयार है। फिलहाल इस फ़िल्म को बिहार में 72 , उत्तरप्रदेश में 52, पश्चिम बंगाल और आसाम के 23 थियेटर में सिनेपोलिस द्वारा रिलीज किया जा रहा है।आगामी लोकसभा चुनावों में महादेव भक्त रवि किशन इसबार पुनः गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। रवि किशन ने बताया कि गोरखपुर वास्तव में शिव जी की ही नगरी है और फ़िल्म महादेव का गोरखपुर में महादेव प्रभु की जिस तरह से भक्ति स्तुति की गई है ,वहअवर्णनीय है । फ़िल्म की पूरी शूटिंग गोरखपुर और आसपास के लोकेशन पर ही की गई है, जिसमें महादेव की गोरखपुर के प्रति आस्था भी बखूबी दिखाई गई है । महादेव का गोरखपुर एक बेहद ही शानदार फ़िल्म बनी है और इसमें दर्शकों को भरपूर आनंद भी मिलेगा। रवि किशन के होम प्रोडक्शन रवि किशन प्रोडक्शन्स और वाया फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म महादेव का गोरखपुर के लेखक साई नारायण हैं,फ़िल्म का निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर निर्देशक राजेश मोहनन ने किया है। महादेव का गोरखपुर के निर्माता प्रितेश शाह और सलिल शंकरन , वहीं फ़िल्म के सह निर्माता अरविंद सिंह, अमरजीत दहिया ,एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शंकर नारायण,सिनेमेटोग्राफर अरविंद सिंह हैं। संगीत निर्देशन अगम अग्रवाल और रंजिम राज ने किया है।

वरुण धवन ने फिर शुरू की 'बेबी जॉन' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने फिर से अपनी आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' की शूटिंग शुरू कर दी है। वरुण धवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर चर्चा में हैं। वरुण धवन ने कुछ दिनों पहले फिल्म की शूटिंग से ब्रेक लिया था।

अब उन्होंने फिर से 'बेबी जॉन' की शूटिंग शुरू कर दी है।वरुण धवन ने सोशल मीडिया पर फिल्म 'बेबी जॉन' के सेट से अपनी मस्कुलर बॉडी को फ्लॉन्ट करते हुए एक तस्वीर साझा की। तस्वीर साझा करते हुए उन्होंने लिखा, 'काम पर वापसी, बेबी जॉन।' 'बेबी जॉन' का निर्देशन ए कालीस्वरन कर रहे हैं। एटली इस फिल्म को जियो स्टूडियोज और सिने1 स्टूडियोज के साथ मिलकर प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे ने किया है। इस फिल्म में वरुण धवन के अलावा कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 31 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने अपनी पहली रसोई में बनाया 'सूजी का हलवा'

मुंबई/एजेन्सी

हाल ही में 'फुकरे 3' के एक्टर पुलकित सम्राट के साथ शादी के बंधन में बंधी एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने अपनी पहली रसोई में 'सूजी का हलवा' बनाया। कृति और पुलकित ने 15 मार्च को शादी की। 'हाउसफुल 4' में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी पहली रसोई की तस्वीरें शेयर की। यह वह रस्म होती है जिसमें नवविवाहित दुल्हन पहली बार खाना बनाती है। इसमें पहली बार कुछ मीठा ही पकाया जाता है। तस्वीरों में एक बर्तन में 'सूजी का हलवा' देखा जा सकता है।

एक्ट्रेस ने इसे कैप्शन दिया, मेरी पहली रसोई। दूसरी तस्वीर में कृति को पुलकित की दादी के साथ देखा जा सकता है। तस्वीरों में एक्ट्रेस ने लाल रंग का सूट पहना हुआ है, जिसमें उन्हें सिन्दूर, मंगल सूत्र और चूड़ा पहने हुए देखा जा सकता है। कृति इसमें अपनी मेहंदी भी फ्लॉन्ट करती दिख रही है।

फोटो में कृति को दादी के पास बैठकर मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है, जबकि दादी उन्हें प्यार से गले लगा रही हैं। आखिरी फोटो में कृति हलवे के ऊपर बादाम डालती दिख रही हैं। पुलकित और कृति ने 'पागलपंती', 'वीरे की वेडिंग' और 'तैश' जैसी फिल्मों में साथ काम किया है। कृति अगली बार फिल्म 'रिस्की रोमियो' में नजर आएंगी।

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

भगवान महावीर ने पुस्तक की सुरक्षा के लिए कवर की, शरीर की सुरक्षा के लिए स्वास्थ्य की नितान्त आवश्यकता बताई, वैसे ही जीवन की सुरक्षा व इहलोक एवं परलोक की सुरक्षा के लिए धर्म की आवश्यकता है। धर्म के क्षेत्र में छलावा या प्रदर्शन न हो। छल कपट, प्रपंच न हो। आत्मशुद्धि का साधन ही धर्म है।

चेन्नई पहुंचे भाजपा प्रत्याशी, दिए पीले चावल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ चेन्नई द्वारा आयोजित एक सभा में राजस्थान के जालोर सिरोही सांचोर के प्रत्याशी लुम्बाराम चौधरी व बाडमेर जैसलमेर के उम्मीदवार कैलाश चौधरी, केन्द्रीय कृषि एवं किशन कल्याण राज्य मंत्री जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सहचेतक राजस्थान सरकार केके विश्नोई, राज्यमंत्री नारायण सिंह देवल, संयोजक श्रवण सिंह राव, विधायक आहोर छगनसिंह राजपुरोहित, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, सिवाना के हमीर सिंह भायल, पचपचरा के विधायक अरूण चौधरी, तमिलनाडु भाजपा प्रदेश सचिव विनोज पी. सेल्वम,

सिरोही जिला प्रमुख अर्जुनराम पुरोहित, किसान मोर्चो के प्रदेश उपाध्यक्ष गणपतसिंह, अध्यक्ष धुखाराम पुरोहित सहित अनेक वरिष्ठ जनों ने चेन्नई पहुंचकर यहां जैन भवन में अपने अपने विचार रखे। मोदी राज के 10 सालों में देश ने बहुत विकास किया है। मोदीजी जो बोलते हैं वह करके दिखाते हैं। आज अपना देश भारत दुनिया में पांचवी आर्थिक अर्थव्यवस्था में शुमार हो गया है। सभी ने अबकी बार 400 पार का नारा लगाया।

तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश सचिव विनोज पी. सेल्वम ने राजस्थान से आए सभी नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने तमिलनाडु में मोदी राज की वकालत की। 'हर घर मोदी घर घर मोदी, अबकी बार 400 पार' के नारों से पूरा हॉल गुंजायमान हो गया।

प्रकोष्ठ के अध्यक्ष जीतू लौहार ने सभी को गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। सभी से राजस्थान में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में पहुंचकर मतदान करने का आग्रह किया गया। धन्यवाद भाजपा प्रवासी पक्रोष्ठ तमिलनाडु के संयोजक हंसराज पुरोहित ने दिया। भाजपा हार्बर के जिला सचिव इन्द्रन पवनकुमार राजपुरोहित, रवि प्रवासी भाजपा नेता कांतिलाल, डार्विन, जोगाराम, जयंतीलाल जैन, भंवरलाल सिंह, गेनाराम, पारसमल आदि ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर राजस्थान के लिए विशेष ट्रेन की मांग केन्द्रीय मंत्री से की गई।

रजत जयंति समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पेरम्बूर में भगवान महावीर वेलफेयर एसोसिएशन ने अपना रजत जयंती समारोह का आयोजन साध्वी सुप्रभाजी म. सा. के सान्निध्य में एमकेएम पुरुषवाक्कम के प्रांगण में किया गया। एसोसिएशन द्वारा संचालित युवाचार्य मधुकर मुनि जैन हॉस्पिटल के द्वारा एक विशाल शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें हीमोग्लोबिन, रंडम ब्लड शुगर की जांच की गई। महिलाओं के लिए लाइफ लाइन हॉस्पिटल के द्वारा गर्भाशय व ब्रेस्ट केंसर टेस्ट किया गया।

साध्वीश्री ने दान की महत्वता बताते हुए कहा कि अपने बुरे कर्मों की निर्जरा दान देकर की जा सकती है। अध्यक्ष पारसमल सुराणा ने कहा कि पेरम्बूर में जो छोटा सा वटवृक्ष लगाया। वह आज विशाल रूप में परिवर्तित हो गया है। मंत्री चेतन पटवा ने विगत 25 वर्षों से इस संस्था ने जो कार्य किये उसका विवरण दिया। मुख्य अतिथि विजयसिंह पींचा ने युवा कार्यकर्ता जो कार्य कर रहे है उसकी सराहना की। इस मौके पर श्री कपिल मुनिजी म. सा. एवं साध्वी श्री विजयलताजी म. सा. ने शुभकामना संदेश भेजे। सभी उपस्थित मेहमानों और अतिथियों का सत्कार एसोसिएशन की ओर से किया गया।

मंत्री चेतन पटवा ने बताया कि इस मौके उपाध्यक्ष विजय तातेड़, अजित पटवा, गौतम सकलेचा, महेन्द्र तालेड़ा, आनन्द हिंगड़, भंवरलाल खिंवसरा, संजय मेहता, सुरेन्द्र ललवाणी, रूपराज कोठारी, मदनलाल कुंकुलोल, पवन पोकरना, राजेश पोकरना, सुरेश सम्दड़ीया, राजेश सम्दड़ीया, इन्द्रचन्द विनायकिया, उगम बोहरा आदि ने सेवाएं दी।

संस्कृति कल्चरल फाउन्डेशन द्वारा 'संगीत की धड़कन' का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मैलापुर में म्यूजिक अकाडेमी में संस्कृति कल्चरल फाउन्हेशन द्वारा मशहूर संगीतकार शंकर जयकिशन के गानों पर आधारित 'संगीत की धड़कन' का आयोजन किया गया। सभी का स्वागत संस्कृति के अध्यक्ष चन्द्रमोहन दमानी ने किया। कार्यक्रम में विशेष योगदान के लिए विनोद कोठारी, मुकेश मुथा, राकेश विनायकिया, राजेश सुराणा का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत गायत्री दमानी, संगीता गादिया, रेखा दमानी एवं शोभा कोठारी ने दीप प्रज्वलित से किया। कार्यक्रम का संचालन जयंतीलाल तलेसरा, विजय गोलेछा एवं शोबना बोथरा ने किया। इसी दौरान सभी दानदाताओ को मोमेंटो से सम्मानित किया।

कार्यक्रम के चेयरमैन अशोक कोठारी ने बताया की शंकर जय किशन ऐसी संगीतकार जोड़ी है जिन्होंने भारतीय सिनेमा को एक अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। इनके रचित किये गए गाने रूस में आज भी गाये एवं बजाएं जाते हैं जैसे 'आवारा हूं' इनमें बहुत प्रसिद्ध है। इस संगीतकार जोड़ी ने दो दशक तक हिंदी सिनेमा जगत में राज किया और नो बार फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया। संस्कृति के सभी कलाकारों ने बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी। लाइट साउंड पर सरिता फ़ोमरा एवं रिसेप्शन में किशोर बोहरा एवं सुदर्शना बोहरा ने अपनी सेवा दी।

धन्यवाद ज्ञापन सचिव प्रमोद गादिया ने दिया।

तिरुपुर में फागुन होली व राणी सती दादी का मंगलपाठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरूपुर। यहां दादी परिवार द्वारा हर महीने कि भांति इस महीने भी फाल्गुन महीने के उपलक्ष में दादी परिवार कि और से राणी सती दादी का फागुन का मंगल पाठ गणेश मन्दिर रायपुरम तिरूपुर मे दादी के मंगल पाठ में फागुन में फूलों से दादी का दरबार सजाया गया। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया उसके उपरांत कार्यक्रम मे आये सभी महीलाओं ने मिलकर आपस मे दादी को मीठे भजनों से रिझाया। 'ल्याया थारी चुनरी, करियो माँ स्वीकार, इसमें साँचा साँचा हीरा और मोतियों की भरमार' आदि भजनों की प्रस्तुति हुई।

दादी परिवार कि अध्यक्ष शिलाशाह एवं दादी परिवार कि पदाधिकारी सरोज पत्ती, सुमन गुप्ता, मधु चौधरी, बिरा कामदार, सरिता तुलस्यान, मिनाक्षी सरावगी, मनीषा अग्रवाल, चंदा डिडवानिया आदि उपस्थित रही। होली की धमाल गाई गर्स। सभी ने उत्साह के साथ फूलों की होली खेली।

वैष्णव काव्य उत्सव का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभाग (शिफ्ट-एक) के द्वारा 'वैष्णव काव्य उत्सव' अन्तर्महाविद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता का आयोजन 19 मार्च को किया गया। जिसमें 19 महाविद्यालयों से 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के निर्णायक कवयित्री और समाज सेविका डॉ. मंजू रुस्तगी, आकांक्षा बरनवाल और रेखा राय थी। कार्यक्रम का आरंभ ईश वंदना से हुआ जिसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन किया गया। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने निर्णायकों का परिचय देते हुए सभी का स्वागत किया और प्रतियोगिता के आयोजन में सभी के योगदान को बताया। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने अतिथियों का सम्मान करते हुए हिंदी भाषा और हमारे जीवन में अन्य भाषाओं के योगदान पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए छात्र-छात्राओं ने देश प्रेम, माँ, पिता, बहन, प्रकृति, श्रृंगार आदि विषयों पर अपनी कविताओं की प्रस्तुतियाँ दी।

कार्यक्रम के समापन समारोह में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने हिंदी कविता से जुड़े विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि चेन्नई से राष्ट्रीय स्तर पर इन्हीं छात्र-छात्राओं में से अच्छे कवि निकले। इसके बाद तीनों निर्णायकों ने सभी प्रतियोगियों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए उनके द्वारा की गई गलतियों का भी बोध कराया और सभी को बधाई भी दी। और अपनी कवितायें भी सुनाई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता वी. शाह ने सभी को धन्यवाद दिया। बी एस सी गणित की छात्रा गरिमा और अर्थशास्त्र की छात्रा नागेश्वरी पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

सुन्दर अभियान — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली हुई। इस रैली में लगभग 1 लाख से अधिक लोगों ने रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया। अनेक सामाजिक संस्थाओं ने लोगों के लिए जलपान की व्यवस्था की थी। शो के उपरांत भाजपा कार्यकर्ताओं ने लगकर स्वच्छता अभियान भी छेड़ा और वहां जमा हुए गंदे कप प्लेट आदि को बैग में भरकर निर्धारित स्थान पर भेजा।

भाजपा, अन्नाद्रमुक को अपने खेमे में लाने के लिये प्रयासरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले मोर्चे ने अपने सभी दलों को एकसाथ रखकर अपने सहयोगियों के साथ सीटों और निर्वाचन क्षेत्रों के बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप दे दिया है, लेकिन अन्नाद्रमुक और उसकी पूर्व सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खेमे में संशय बना हुआ है। दोनों पार्टियां पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम (डीएमडीके) के साथ एक मजबूत गठबंधन बनाने का प्रयास कर रही हैं। अन्नाद्रमुक और भाजपा द्रविड़ पार्टी के साथ फिर से एकजुट होना चाहती है और दोनों पार्टियां इसके लिये बातचीत के माध्यम से प्रयासरत हैं। इसके अलावा, 19 अप्रैल के लोकसभा चुनावों के लिए डीएमडीकेके को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है।

अन्नाद्रमुक और भाजपा दोनों डीएमडीके पार्टी को अपने खेमे में करने के लिए गहन बातचीत में लगे हुए हैं और अगले दो दिनों में अंतिम तस्वीर सामने आएगी। खबरों के मुताबिक, भाजपा डीएमडीके के लिए और सीटें देने को भी तैयार है, लेकिन अड़चन राज्यसभा सीट को लेकर बनी हुई है, जिसे डीएमडीके चाहती है।

पिछले पांच लगातार चुनावों में जीत हासिल करने वाली द्रमुक पहले से ही अपनी चुनाव प्रक्रिया में काफी आगे है और अन्नाद्रमुक तथा भाजपा अभी भी बातचीत के चरण में हैं।

लोगों को महल में आने की जरूरत नहीं, मैं बाहर निकलूंगा : यदुवीर वाडियार

मैसूरु। मैसूरु शाही परिवार के वंशज और मैसूर-कोडगु संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार यदुवीर वाडियार ने सोमवार को कहा कि लोगों को अपनी शिकायतें लेकर महल में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह बाहर निकलेंगे और एक आम पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करेंगे। मैसूरु के एक होटल में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मैं महल से बाहर निकलूंगा और एक आम पार्टी कार्यकर्ता के रूप में काम करूंगा। यदुवीर वाडियार ने कहा कि मेरे पिता चार बार सांसद रहे। हमारे सभी दलों से अच्छे संबंध हैं। मेरे विचार भाजपा की विचारधारा से मेल खाते हैं। महल से लोगों का भावनात्मक लगाव है। संविधान के तहत सभी बराबर हैं। मैं भी दूसरे लोगों की तरह एक सांसद के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाऊंगा। तकनीक के माध्यम से संचार किया जा सकता है। आपको (लोगों को) महल में आने की जरूरत नहीं है। मैं महल से बाहर आऊंगा। मैं ये इसलिए नहीं कह रहा हूं, क्योंकि मैं राजा हूं। महल की एक विरासत है। इसके अलावा मैं आम नागरिक ही रहूंगा। मुझे सांसद के रूप में भी संबोधित किया जा सकता है और प्रतिनिधि के रूप में भी।

उन्होंने कहा कि मेरी मां प्रमोदा देवी वाडियार को चुनाव प्रचार के लिए आने की कोई जरूरत नहीं है। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहेगा। मौजूदा सांसद प्रताप सिम्हा, जिन्हें मैसूरु-कोडगु सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट नहीं दिया गया था, वह भी अभियान में शामिल हुए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.